RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शुक्रवार ●19 अप्रैल , 2024 वर्ष:-11 अंक - 351 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

फर्जी मुठभेड़ है यह...

पूर्व सीएम बघेल ने दी सबूत पेश करने की चुनौती

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में माओवादियों के लिए सुरक्षाबल के जवान काल बन गए हैं। लाल आतंक के गढ़ कांकेर में जवानों की बड़ी सफलता मिली है। इसके बाद प्रदेश की राजनीति भी गर्म हो गई है। विपक्षी कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि बस्तर में फर्जी मुठभेड़ों में वृद्धि हुई है और आदिवासी आबादी चिंतित और डरी हुई है। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम

भूपेश बघेल ने मंगलवार को कांकेर मुठभेड़ के बाद कहा कि फर्जी मुठभेड़ को लेकर आलोचना की। वहीं, बुधवार को बघेल ने सुरक्षा बलों के साहस की प्रशंसा की और कांकेर ऑपरेशन को बड़ी सफलता बताया। ऐसे में सवाल है कि क्या कांग्रेस लोकसभा चुनाव के बीच मुठभेड़ पर सवाल उठाकर सेल्फ गोल का शिकार तो नहीं हो रही। एएनआई के एक ट्वीट के अनुसार, मंगलवार शाम को कवर्धा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बघेल ने कहा कि कई फर्जी मुठभेड़ें हुई हैं जो हमारे शासन के दौरान नहीं हुई थीं।

रामनवमी पर हिंसा को लेकर ईसी पर भड़की ममता

- कहा-मेरे मना करने के बाद भी दो दिन पहले डीआईजी को हटाया

कोलकाता (एजेंसी)। रामनवमी के दिन पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में रैली के दौरान हिंसा को लेकर टीएमसी और बीजेपी में ठन गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि रामनवमी से दो दिन पहले चुनाव आयोग ने भाजपा के कहने पर

मुर्शिदाबाद के डीआईजी को हटाया गया। टीएमसी अध्यक्ष का दावा है कि भाजपा ने हिंसा की योजना बनाई है। ममता ने चुनाव आयोग को भाजपा आयोग कहकर संबोधित किया। उधर, भाजपा ने हिंसा के खिलाफ एनआईए जांच की मांग की है। गुरुवार को ममता बनर्जी ने कहा, हिंसा पूर्व नियोजित थी। परसों (मंगलवार) इसी जगह पर बीजेपी के एक विधायक ने उत्पात मचाया। वह कल रामनवमी रैली में हथियार क्यों ले जा रहे थे।

बिहार में मतदान से पहले अंबेडकर पर संग्राम

- दलित और यादव समुदाय में झड़प, एक की हत्या

पटना (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के तहत बिहार की चार सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा। इस बीच राजधानी पटना से बड़ी खबर सामने आई है। बुधवार देर रात दानापुर में कथित तौर पर मामूली विवाद के बाद दो जातियों के बीच हुई झड़प के बाद एक युवक की गोली मारकर हत्या कर

दी गई। वहीं तीन अन्य लोग झड़प में घायल भी हुए हैं। हालांकि, पुलिस की ओर से दावा करते हुए कहा गया है कि दलित जाति के लोगों के द्वारा सरकारी जमीन पर आंबेडकरी की मूर्ति लगाई जा रही थी, जिसका यादव जाति के लोगों ने विरोध किया। इसे लेकर दोनों पक्षों बीच तनाव उत्पन्न हो गया। बुधवार की रात दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। एक पक्ष की ओर से फायरिंग की गई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई।

21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों पर वोटिंग आज, तैयारी

2019 में भाजपा 40, डीएमके 24, कांग्रेस 15 और अन्य ने 23 सीटें जीती थीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनाव के फर्स्ट फेज में शुक्रवार यानी 19 अप्रैल को 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर वोटिंग होगी। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा ने 40, डीएमके ने 24, कांग्रेस ने 15 सीटें जीती थीं। अन्य को 23 सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग के मुताबिक, इलेक्शन के पहले फेज में कुल 1,625 कैंडीडेट्स मैदान में हैं, जिनमें 1,491 पुरुष और 134 महिला उम्मीदवार हैं। इनमें महिलाएं केवल 8 फीसदी हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) ने 1,618 उम्मीदवारों के हलफनामे में दी गई जानकारी पर एक रिपोर्ट तैयार की। इनमें से 16 फीसदी यानी 252 उम्मीदवार पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। वहीं, 450 यानी 28 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। 10 ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है, जबकि तीन के पास 300 से 500 रुपए की संपत्ति है। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, 10 फीसदी यानी 161 कैंडीडेट ऐसे हैं जिन पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। 7 उम्मीदवारों पर हत्या और 19 पर हत्या की कोशिश के मामले हैं। 18 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं। इनमें से एक पर रेप का मामला भी दर्ज है। वहीं, 35 कैंडीडेट्स पर हेट स्पीच से जुड़े मामले दर्ज हैं। ईसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इलेक्शन के पहले फेज में 1618 उम्मीदवारों में से 450 यानी 28 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। कैंडीडेट्स के पास औसत संपत्ति 4.51 करोड़ रुपए है। 10 उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है।

ईडी ने कसा शिकंजा, शिल्पा शेट्टी का फ्लैट किया कुर्क

- राज कुंद्रा का बंगला और शेयर भी शामिल, मनी लॉन्ड्रिंग केस में 97 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच

मुंबई (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा की 97.79 करोड़ की प्रॉपर्टी कुर्क की है। इसमें शिल्पा शेट्टी का जुहू वाला फ्लैट और राज कुंद्रा के नाम पर रजिस्टर्ड बंगला और इक्विटी शेयर शामिल हैं। मामला 2002 के बिटकॉइन पॉन्जी स्कीम घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है। ईडी ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है। ईडी ने वेरिएबल टेक प्राइवेट लिमिटेड और आरोपी दिवंगत अमित भारद्वाज, अजय भारद्वाज, विवेक भारद्वाज, सिम्पी भारद्वाज, महेंद्र भारद्वाज और अन्य के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस और दिल्ली पुलिस में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। जांच एजेंसी का आरोप है कि आरोपियों ने बिटकॉइन के रूप में हर महीने 10 फीसदी रिटर्न के झूठे वादे के साथ लोगों से बिटकॉइन के रूप में बड़ी रकम इकट्ठा की थी।

आरएसएस की शाखा में जाकिर हुसैन को मिला पद

मुख्तार से रहा कनेक्शन, गैंगस्टर एक्ट में हो चुकी है कुर्की

गाजीपुर (एजेंसी)। मुख्तार अंसारी के सहयोगी रहे जाकिर हुसैन उर्फ विक्की को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का पूर्वांचल सहसंयोजक बनाया गया है। यह संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की एक शाखा है। मंच के

राष्ट्रीय संयोजक ने जाकिर हुसैन को पूर्वांचल की जिम्मेदारी सौंपी है। मुख्तार अंसारी के गैंग से संबंध रखने वाले जाकिर हुसैन की करीब डेढ़ करोड़ की संपत्ति पिछले साल 25 जून को गैंगस्टर के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुर्क की थी। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संयोजक ठाकुर राजा रईस ने कहा कि वह उन मुसलमानों को खड़ा करना चाहते हैं जो राष्ट्र के लिए काम करें और देश की मुख्य धारा में शामिल हों। इसलिए गाजीपुर में विक्की उर्फ जाकिर हुसैन को पूर्वांचल क्षेत्र की जिम्मेदारी दी जा रही है।

वोटिंग से पहले मंडला के मतदान कर्मी की मृत्यु

13 जिलों के 6 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान आज, वोट पड़ने तक बालाघाट में हेलीकाप्टर रहेगा

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने गुरुवार को प्रदेश की छह लोकसभा सीट में 19 अप्रैल को होने वाले मतदान की जानकारी देते हुए बताया कि सीधी, शहडोल, मंडला, जबलपुर, बालाघाट और छिंदवाड़ा में होने वाले मतदान के लिए मतदान दल पहुंच गए हैं और मतदान केंद्रों पर पहुंचकर कल सुबह मतदान की तैयारी करेंगे। आज मतदान दलों के रवाना होने के दौरान मंडला जिले के एक मतदान कर्मचारी मनीराम कावरे की हार्ट अटैक से मृत्यु हुई है। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया पर बचाया नहीं जा सका है। उनकी मृत्यु के बाद आयोग की ओर से तय 15 लाख की सहायता राशि देने के आदेश हो गए हैं और पत्नी को अनुकम्पा नियुक्ति दिए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके

अलावा कहीं और किसी तरह की शिकायत नहीं है। सीईओ राजन ने बताया कि कल सुबह 5.30 बजे से मॉक पोल होगा और सात बजे से वोटिंग शुरू होगी। मॉक पोल के दौरान उम्मीदवार और उनके अधिकृत एजेंट मौजूद रह सकेंगे। इस दौरान नोटा पर भी वोट डाला जाएगा। मीडिया से चर्चा में सीईओ राजन ने कहा कि सभी छह सीट पर अधिकतम मतदान पर जोर दिया जाएगा।

पहले चरण की छह सीटों पर कुल 88 प्रत्याशी

1.13 करोड़ मतदाता आज करेंगे भाग्य का फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश में पहले चरण की 6 सीटों छिंदवाड़ा, जबलपुर, मंडला, सीधी, बालाघाट और शहडोल में मतदान के लिए चुनाव आयोग ने पूरी तैयारी कर ली है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि पहले चरण की छह सीटों दो सीट शहडोल और मंडला अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। इन सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा। इन सीटों पर 88 प्रत्याशियों ने नामांकन भरा है। इसमें 81 पुरुष और 7 महिला प्रत्याशी है। सबसे ज्यादा 19 उम्मीदवार जबलपुर और सबसे कम 10 उम्मीदवार शहडोल में है। पहले चरण की सीटों पर सुबह 7 बजे से 6 बजे तक मतदान होगा। मतदान शुरू होने के 90 मिनट पहले मॉक पोल शुरू होगी। बालाघाट क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली तीन विधानसभा सीट बैहर, लांजी और परसवाड़ा में में सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। प्रथम चरण में 1 करोड़ 13 लाख 9 हजार 636 मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे। इसमें 57 लाख 20 हजार 780 पुरुष, 55 लाख 88 हजार 669 महिला और 187 थर्ड जेंडर वोटर है। प्रथम चरण के कुल मतदाता में 20 से 29 साल के मतदाताओं की संख्या 26 लाख 54 हजार 434 है। वहीं, 18 से 19 साल के मतदाताओं की संख्या 3 लाख 44 हजार 244 है। इसके अलावा 100 साल से अधिक उम्र के 771 और 85 साल से अधिक उम्र के 46 हजार 463 मतदाता है। सेवा मतदाताओं की संख्या 10 हजार 522, अप्रवासी मतदाता 31 हैं।

मिठाई खाकर तबियत खराब कर रहे केजरीवाल ताकि जल्द मिले बेल

कोर्ट में बोली ईडी, जेल में पूड़ी-आलू, आम और मिठाई खा रहे दिल्ली सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की एक याचिका को लेकर दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई है। बताया जा रहा है कि कोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी दलीलें देते हुए कहा है कि अरविंद केजरीवाल हेल्थ ग्राउंड पर बेल लेने की कोशिश कर रहे हैं। ईडी ने कहा है कि जेल में अरविंद केजरीवाल पूड़ी-आलू, आम और मिठाई खा रहे हैं ताकि उनका शुगर लेवल बढ़ जाए और वो बेल हासिल कर सकें। यहां आपको बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने कुछ दिनों पहले एक याचिका दायर की थी और इस याचिका में उन्होंने गुहार लगाई थी कि वो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए निरंतर अपने चिकित्सक के संपर्क में रहना चाहते हैं। सीएम केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई के बाद ईडी के विशेष वकील जोहेब हुसैन ने कहा, कोर्ट को केजरीवाल का डाइट चार्ट बताया गया है। डाइट चार्ज में आम और मिठाइयां हैं। हमने इसे अदालत को बताया है कि अरविंद केजरीवाल जानबूझ कर मीठा खाना खा रहे हैं जबकि यह किसी भी डायबिटीज के मरीज के लिए ठीक नहीं होता है। वहीं अरविंद केजरीवाल के वकील ने विवेक जैन ने कहा, ईडी ने इसे इसलिए मुद्दा बनाया है ताकि घर का खाना भी उन्हें देने से रोका जा सके। यह उनके स्वास्थ्य से जुड़ा है। वो जो कुछ भी खा रहे हैं वो चिकित्सकों द्वारा दिया गया डाइट है। मामला अदालत में है और हम अभी इस पर और कुछ नहीं कह सकते हैं।

बंगाल में भीषण गर्मी का कहर, स्कूलों में छुट्टी

भीषण गर्मी और लू से निकल रहा लोगों का दम

कोलकाता (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। इसमें पश्चिम बंगाल समेत कई पूर्वी और दक्षिण भारतीय राज्य शामिल हैं। बंगाल के कई इलाकों में पारा 42 डिग्री से भी पार कर गया है। मौसम विभाग ने अगले दो से तीन कई जिलों में लू की चेतावनी जारी की है। ममता बनर्जी सरकार ने कई जिलों में लू की भयावह स्थिति को देखते हुए समय से पहले सरकारी स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियों का ऐलान कर दिया। सरकारी आदेश के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में 22 अप्रैल से गर्मियों की छुट्टियां पड़ेंगी। पश्चिम बंगाल

में सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है, मौजूदा भीषण गर्मी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, सक्षम प्राधिकारी ने दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों के पहाड़ी क्षेत्रों के स्कूलों को छोड़कर, 22 अप्रैल से प्रदेश भर के सरकारी स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां पहले करने का फैसला किया है। अगले आदेश तक इसे जारी रखें। दक्षिण बंगाल के कुछ जिले लू जैसी स्थिति है।

संत हिरदराम नगर स्टेशन पर बनेगी मल्टी लेवल पार्किंग

400 से ज्यादा वाहन खड़े हो सकेंगे, पार्किंग की समस्या से मिलेगी राहत

भोपाल। भोपाल के संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर लंबे समय से पार्किंग के चलते यहां आने वाले यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। कई बार अव्यवस्थित पार्किंग के चलते स्टेशन परिसर के अंदर ही जाम की स्थिति बनती है। इसे ध्यान में रखते हुए रेलवे संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर मल्टी लेवल पार्किंग बनाई जा रही है। अमृत भारत योजना के तहत इसका निर्माण किया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यहां फरवरी महीने से पार्किंग ठेकेदार नहीं है। इसके चलते फ्री स्पेस में लोग गाड़ियां पार्क कर रहे हैं। यहां अभी फिलहाल पार्किंग निःशुल्क है। इसके कारण लोग यहां कहीं भी वाहन पार्क कर देते हैं, जिसके चलते कई बार जाम की स्थिति बनती है। पार्किंग बनने के बाद लोगों को फायदा होगा। बताया जा रहा है कि यह पार्किंग अगस्त से सितंबर तक बन जाएगी। संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर रोजाना 46 ट्रेनें हॉल्ट लेती हैं। इसमें वीकली, स्पेशल सभी ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा, यहां रोजाना 2000 से 2,500 हजार का रोजाना फुट फॉल भी है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार स्टेशन डेवलपमेंट के बाद यहां अन्य ट्रेनों के हॉल्ट भी बढ़ाए जाएंगे।

23 साल की शिवानी ने लड्डू गोपाल से किया विवाह

भगवान को हाथ लगाकर अपनी मांग भरी; ग्वालियर से वृंदावन विदा

भोपाल। ग्वालियर की 23 साल की शिवानी परिहार ने अपना बाकी का जीवन भगवान लड्डू गोपाल के चरणों में अर्पित कर दिया। बुधवार शाम उन्होंने भगवान के साथ विवाह किया। बारात वृंदावन (मथुरा) से आई। पीतल के बाल रूपी कृष्ण को दूल्हे की तरह श्रृंगार करके पंडित, साधु, संत और कृष्ण भक्त लेकर आए। गुरुवार को शिवानी वृंदावन के लिए विदा हो गईं। उन्होंने बताया, 4-5 दिन बाद दूसरी विदाई होगी, इसके एक महीने बाद फिर वृंदावन जाऊंगी। वहां 4 - 5 साल रहकर अध्ययन करूंगी। भागवत और शिव पुराण पढ़ूंगी। मैं शिव जी को भी बहुत मानती हूं। शिवानी ने विवाह किया है। उन्होंने लड्डू गोपाल को हाथ लगाकर मांग में सिंदूर भरा, तब वे यह भजन भी गुनगुना रही थीं, बसो मेरे नैनन में नंदलाल...। ये पंक्तियां कभी मीरा बाई ने श्रीकृष्ण से अपने प्रेम का इजहार करने के लिए गाई थी। विवाह कैंसर पहाड़ी पर बने शिव मंदिर में हुआ। वृंदावन और ग्वालियर के पंडितों ने साथ मिलकर विवाह की रस्में करवाईं। ग्वालियर के दामाद लड्डू गोपाल को द्वारचार कराया। मंडप में शिवानी का कन्यादान उन्हें बेटी की तरह मानने वाले गौरव शर्मा और उनकी पत्नी ने किया।

पुजारियों के मंत्रोच्चार के बीच इस विवाह की खासियत यह रही कि फेरों के वक्त वृंदावन से आए पंडितों ने कृष्ण की वंशावली सुनाई।

जो नाराज थे, लड्डू गोपाल के आगे पिघल गए- शिवानी परिहार ने कहा, मैंने 7 साल पहले भगवान लड्डू गोपाल के साथ विवाह करने का संकल्प लिया था। मेरी बहन और रिश्तेदार जो लोकलाज के चलते नाराज थे, वे भी लड्डू गोपाल के आगे पिघल गए। घर में नाच-गाना और मंगलगीत गाए गए। मैं इतना कहूंगी कि ऐसे वर को क्या वरुं, जो जनमे और मर जाए, क्यों न ठाकुर को वरुं, जो मेरा जोड़ा अमर हो जाए। मैं अब श्याम सुंदर की दासी बन गई।

- बेटी की भक्ति देख शादी के लिए तैयार हुए

शिवानी के पिता राम प्रताप परिहार ग्वालियर में ही सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं। मां मीरा परिहार गृहिणी हैं। दो बेटियां है। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। मीरा ने बताया, पहले हम तैयार नहीं थे, लेकिन बेटी की भक्ति देखकर तैयार हो गए। शादी में जो भी रीति-रिवाज होते हैं, हमने पूरे किए। मंडप, हल्दी, मेहंदी सभी कार्यक्रम किए।

- भोज में सब्जी-पूड़ी, रायता गुलाब जामुन और बर्फी

आयोजन जनचेतना एवं जन कल्याण संस्था की ओर से कराया गया। शादी का सर्टिफिकेट भी दिया। भोज भी हुआ। सब्जी, पूड़ी, रायता, गुलाब जामुन और बर्फी बनवाई गई थी। वृंदावन से भगवान लड्डू गोपाल की बारात लेकर ग्वालियर आए पंडित चरणदास ने बताया, विवाह पूरे सांस्कृतिक तरीके से कराया गया है। पहले द्वार पर जिस तरह से दूल्हे का द्वार पाटिका होता है, इसी प्रकार लड्डू गोपाल का भी हुआ।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, शुक्रवार 19 अप्रैल, 2024

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर सिंह ने 2 और आरोपियों को 6-6 माह के लिये जिला बदर किया

हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य सिंह ने पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर 2 आरोपियों को 6-6 माह के लिये जिला बदर करने के आदेश जारी किये है। जारी आदेश अनुसार आरोपी किशन पिता मोहनलाल देवड़ा निवासी इतवारा बाजार टिमरनी और वीरू उर्फ वीरसिंह पिता रमेश राजपूत निवासी ग्राम बारजा हाल निवासी वार्ड क्रमांक 3 टिमरनी को 6-6 माह के लिये जिला बदर किया गया है। इस अवधि में ये तीनों आरोपी हरदा जिले के साथ-साथ पड़ोसी जिलों नर्मदापुरम, देवास, खंडवा, सीहोर और बैतूल जिलों की सीमा में भी प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

आष्टा के ग्राम मोलूखेडी में सास बहु सम्मेलन आयोजित

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आष्टा विकासखंड के अन्तर्गत ग्राम मोलूखेडी के आंगनवाडी केन्द्र मे विकल्प कार्यक्रम से संबंधित सास बहू सम्मेलन आयोजित किया गया है। सम्मेलन में बडी संख्या में सास एवं बहुऐं उपस्थित रही। विकल्प कार्यक्रम समन्वयक संजय सिंह , संभागीय समन्वयक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी फिरोजा अहमद ने कार्यक्रम में परिवार कल्याण के संबंधित योजनाओं की जानकारी प्रदान की कार्यक्रम में बताया गया है कि 01 ओर 02 बच्चों में अंतर रखने के लिए परिवार कल्याण साधनो का उपयोग करना चाहिए। इस अवसर पर बडी संख्या में स्वास्थ्य कार्यकर्ता,आषा पर्यवेक्षक और आषा कार्यकता उपस्थित रही

माथे पर बिन्दी व किसानों की ट्रॉलियों पर स्टीकर लगाकर की मतदान की अपील

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के लिए हरदा जिले में 7 मई को मतदान होगा। लोकसभा चुनाव को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आदित्य सिंह के निर्देशन में जिले में मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने के लिये विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी हरदा श्री कुमार सानु देवड़िया द्वारा कृषि उपज मण्डी प्रांगण में किसानों के ट्रेक्टर ट्रालियों पर मतदाता जागरूकता के संदेश युक्त स्टीकर लगाकर मतदान के लिये प्रेरित किया गया। उन्होने इस दौरान उपस्थित किसानों को 7 मई को लोकसभा निर्वाचन के लिये मतदान करने की शपथ भी दिलाई। ग्राम धनवाड़ा व सारंगपुर में कम वोटिंग वाले क्षेत्र में महिलाओं को वोट की बिंदी लगाकर महिला मतदाता को मतदान के लिये प्रेरित किया गया इसके अलावा ग्राम सारंगपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग व नवांकुर संस्था की मदद से मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई। इसके अलावा .मतदाता जागरूकता गतिविधियों के तहत पिपल्याकला में झंडा रैली आयोजित कर उपस्थित ग्रामीणों को 7 मई को मतदान करने की शपथ दिलाई गई।

कठपुतली नृत्य नाटिका की प्रस्तुतियों से मतदान करने का संदेश

विदिशा (निप्र)। विदिशा नगर के विभिन्न चैक-चैराहों पर कठपुतलियों के नृत्य नाटिका के माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने का संदेश दिया जा रहा है। जिले के मतदाता बंधु अपने मताधिकार के प्रति अधिक से अधिक जागरूक हो और शत-प्रतिशत मतदान कर विदिशा जिले को सर्वाधिक मतदान वाला जिला बनाने में सराहनीय भूमिका निभाएं इस उद्देश्य से आज विदिशा नगर के बड़जात्या स्कूल के पास, बस स्टैंड स्थित सब्जी मंडी तथा कच्छी धर्मशाला बरईपुरा क्षेत्र में कठपुतली के नृत्य-नाटिका की संगीतमय प्रस्तुति देकर मतदाताओं को जागरूक किया गया है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी व जल मिशन के कार्यो की समीक्षा

ग्रामीणजनों को समय पर पेयजल मिले यही ध्येय होना चाहिए

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने मंगलवार को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी व जल मिशन के कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ संबंधित ठेकेदारो से कहा है कि ग्रामीणजनों को समय पर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो यही ध्येय हम सबका होना चाहिए। छोटे-छोट कार्यों के कारण नल जल योजना के संचालन में अवरूद्ध नहीं होना चाहिए। कलेक्टर श्री वैद्य ने विभागीय अधिकारियों व ठेकेदारो से कहा कि आपसी समन्वय स्थापित कर नलजल योजना के कार्य समय पर पूरे हो। उन्होंने समीक्षा बैठक के दौरान बिजली संबंधी दिक्कतो के समाधान के लिए ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए है साथ ही अपने स्तर पर पाक्षित अवधि में समीक्षा करें ताकि बिजली आपूर्ति सुविधा चालू कराने के कारण कोई भी नलजल योजना में विलम्ब ना हो। अनेक ठेकेदारो के द्वारा राशि जमा की गई है इसके बावजूद समय पर उन्हें बिजली की आपूर्ति नहीं होने के कारण नलजल योजनाओं के लाभ से ग्रामीणजन वंचित रह रहे है। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि जिले में कहीं पेयजल संकट ना हो को ध्यानगत रखते हुए नई-नई योजनाओं के लिए शासन द्वारा राशि दी जा रही है किन्तु समय पर हम कार्य पूरा नहीं करा पाने के कारण लागत में वृद्धि हो जाती है। इन सबके पीछे ठेकेदारो पर सतत निगरानी नहीं रखने तथा उनकी मूलभूत कार्यो से संबंधित समस्याओं का समाधान नहीं होना पाया गया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए उन्हें आपसी समन्वय के स्त्रोत के रूप में कार्य करने की सीख दी है। भ्रमण कर योजनाओं की अद्यतन स्थिति से बाखिफ हो और छोटी-छोटी समस्याओं के कारण सम्पूर्ण नलजल योजना प्रभावित ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर श्री वैद्य ने बिजली विभाग के अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि जब ठेकेदार द्वारा बिजली आपूर्ति के लिए समुचित प्रपत्रों के साथ-साथ राशि ऑन लाइन जमा कर दी जाती है तो फिर राशि जमा कराने की सूचना से पुनः लिखित अवगत कराने की परम्परा क्यों है। उपरोक्त व्यवस्था में सुधार लाने की प्रक्रिया अपनाई जाए। जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने बताया कि ग्रामो की नलजल योजना के कार्य सम्पूर्ण होने के उपरांत विशेष ग्राम सभा के माध्यम से विशेष ग्रामसभा में प्रस्ताव रखे जाए और जल सुरक्षा समिति के अनुमोदन उपरांत ग्राम पंचायत को सुपुर्द की जाए। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक 155 नल-जल योजनाएं विभागीय आंकडो के अनुसार पूर्ण हो चुकी है इन नलजल योजनाओं का ग्राम सभा के माध्यम से सत्यापन कराया गया है जिसमें से मात्र 40 नलजल योजनाएं सुचारू रूप से संचालित होना पाए जाने पर ग्राम पंचायत द्वारा अधिपत्य में ली गई है। उन्होंने कहा कि सात जून के बाद नल जल योजनाओं के अधिपत्य हेतु विशेष ग्रामसभाओं का पुनः आयोजन किया जाएगा ताकि जल सुरक्षा समिति के समक्ष सम्पूर्ण विवरण रखा जा सकें और नलजल योजना अधिग्रहण की स्थिति में है कि नहीं का निर्णय समिति द्वारा लिया जा सकें। बिजली विभाग की कुछ समस्याएं ऐसी है जिनका निदान आपसी समन्वय से हो सकता है। सम्पर्क गेप होने के कारण ऐसी समस्या बनी हुई है।

बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेंजो के आधार पर बतलाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 11260 हेण्ड पंप स्थापित है जिसमें से 10954 क्रियाशील है वहीं 306 विभिन्न कारणो से बंद है। जिले में कुल 357 नलजल योजनाएं स्थापित है जिसमें से 348 क्रियाशील है। इसी प्रकार जल मिशन के अंतर्गत 539 योजनाएं प्रगतिरत है। इन योजनाओं का कार्य लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा किया जा रहा है। जल निगम के पूर्ण, प्रगतिरत कार्यो की ग्राम संख्यावार जानकारियां उपलब्ध कराई गई है। इस दौरान बतलाया गया कि जल मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग व नवीन कुल 256 योजनाएं पूर्ण हुई है जिसमें रेट्रोफिटिंग की 127 व नवीन 129 शामिल है जबकि 283 योजनाएं प्रगतिरत है। समीक्षा बैठक में मध्यप्रदेश जल निगम पीआईयू के कार्यो की भी समीक्षा की गई है।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम की कमीशनिंग की जाए

नर्मदापुरम (निप्र)। ईवीएम की कमीशनिंग के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं अभ्यर्थियों के एजेंट की उपस्थिति में ही की जाए। कमिशनिंग के पहले सभी राजनीतिक दलों को लिखित में इसकी सूचना देवे। स्ट्रांग रूम भी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ही खोला जाए। मॉक पोल की कार्रवाई के दौरान भी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उक्त निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिया मीना ने निर्वाचन संबंधित तैयारियो की बैठक में सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम की कमीशनिंग के दौरान कोई भी कमी नहीं रहनी चाहिए। इंजीनियरों की टीम की ड्यूटी लगाई जाए। सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारी ईवीएम कमिशनिंग को गंभीरता से लेवे। कलेक्टर ने कहा कि यदि कमिशनिंग के दौरान ईवीएम खराब होती है तो उसको अलग कक्ष में स्टोरेज किया जाए।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत यदि कहीं भी आचार संहिता उल्लंघन का मामला सामने आता है तो ऐसे मामलों में त्वरित गति से कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्वीप की गतिविधियां लगातार चलाने के निर्देश दिए और कहा की जिन मतदान केंद्रों में गत चुनाव में मतदान का प्रतिशत कम रहा है। वहां पर मतदाता जागरूकता की विशेष गतिविधियां लगातार चलती रहे।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन कार्य में संलग्न सभी अधिकारियों से कहा कि होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र में मतदान को अब मात्र 10 दिन शेष बचे हैं। अतः सभी अधिकारी पूरी एकजुटता एवं गंभीरता से अपने-अपने सौंपे गए दायित्व को पूरी निष्ठा से पूरा करें।

हर चीज की बारीकी से तैयारी करें। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दी गई गाइडलाइन का अक्षरशः पालन करें। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बताया कि निर्वाचन कार्य में संलग्न अधिकारियों एवं अधिकारियों के तथा मतदान दल के बस ड्राइवर, क्लीनर एवं हेल्पर को भी ईडीसी जारी कि जाएंगी। जो पात्र हैं उन सबको ईडीसी जारी करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग प्रमुख या सुनिश्चित करेंगे की उनके अधीनस्थों को ईडीसी जारी हो जाए और समय पर भरकर जमा भी हो जाए। बताया गया कि 19 अप्रैल से मतदान कर्मियों का द्वितीय चरण का प्रशिक्षण प्रारंभ होगा। यह अंतिम प्रशिक्षण है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए की जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी एनालिसिस करके ट्रेनिंग को रोचक बनाएं।

लोकतंत्र के महापर्व में सब की भागीदारी जरूरी

विदिशा (निप्र)। स्वीप गतिविधि अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ व स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट के निर्देशन में खासकर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन सतत जारी है। विशेष कर उन मतदान क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जहां पिछले निर्वाचन में मतदान का प्रतिशत कम रहा था। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। लोकतंत्र के महापर्व में सबकी भागीदारी जरूरी है की थीम पर आज विदिशा के ग्रामीण क्षेत्र कांकरखेड़ी , धामनोद, लखंगार, इंदरवास, मढ़ियाजामन समेत विभिन्न ग्रामों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इन ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण मतदाताओं को अपने मत के अधिकारों से अवगत ही नहीं कराया गया बल्कि मतदाता जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीण जनों को मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया है। इसके साथ ही मौके पर उपस्थित ग्रामीण जनों को मतदान तिथि 7 मई 2024 को नियत मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान अवश्य करेंगे की शपथ भी दिलाई गई है। ग्रामीण जनों ने मतदाता जागरूकता गतिविधियों में बढ़-चढ़कर सहभागिता की है। साथ ही साथ ग्रामीण बच्चों ने भी इन गतिविधियों में शामिल होकर संदेश दिया है कि प्रत्येक मतदाता का मत महत्वपूर्ण है मतदाताओं को सभी निर्वाचनों में वोट अवश्य करना चाहिए।

लोकसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने जिले में आयोजित की जा रही मतदाता जागरूकता गतिविधियां

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में जिले में अधिक से अधिक मतदान के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार स्वीप प्लान के तहत सम्पूर्ण जिले में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता गतिविधियों में रैली, चित्रकला, रंगोली, पोस्टर, मानव श्रृंखला आदि के माध्यम से लोकसभा आम निर्वाचन में अधिक से अधिक मतदान का संदेश दिया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को रायसेन नगर में शहरी आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा शत प्रतिशत मतदान की थीम पर भजनों का आयोजन किया गया। इसके उपरांत सभी महिलाओ ने घर-घर जाकर मतदाताओं को आगामी 07 मई को मतदान के लिए जागरूक किया। इसी प्रकार सांची में भी नगर परिषद द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के समापन उपरांत सभी के द्वारा आगामी 07 मई को अनिवार्य रूप से मतदान करने का संकल्प लिया गया। उल्लेखनीय है कि द्वितीय चरण में होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र में शामिल जिले के उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र में 26 अप्रैल को मतदान होगा। इसी प्रकार तृतीय चरण में विदिशा संसदीय क्षेत्र में शामिल जिले के विधानसभा क्षेत्र सांची, सिलवानी तथा भोजपुर में 07 मई 2024 को मतदान होगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिला कोषालय के डबल लॉक का निरीक्षण किया

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिला कोषालय के डबल लॉक का निरीक्षण किया

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिया मीना ने जिला कोषालय स्थित डबल लाक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा मापदंडों हेतु निर्धारित भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हे कि नहीं इसका अवलोकन किया। कलेक्टर नें डबल लॉक में वीडियोग्राफी एवं सीसीटीवी कैमरों से सुरक्षा करने की जानकारी ली। इस दौरान अपर कलेक्टर डीके सिंह, संयुक्त कलेक्टर अनिल जैन, जिला कोषालय अधिकारी नितेश कुमार उईके एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। बताया गया कि होम वोटिंग में सोहागपुर विधानसभा में 85 प्लस श्रेणी के चार एवं पिपरिया विधानसभा में दिव्यांग श्रेणी के एक मतदाता इस तरह कुल पांच, मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। होशंगाबाद विधानसभा से अनिवार्य सेवाओं से संबंधित सात मतदाताओं द्वारा मताधिकार का प्रयोग किया गया। जिले में अनुपस्थित मतदाताओं की श्रेणी में 85 प्लस के 586 तथा दिव्यांग श्रेणी के 235 एवं अनिवार्य सेवाओं के सात मतदाताओं सहित कुल 828 मतदाताओं को चिन्हित किया गया । सिवनी मालवा विधानसभा में 85 प्लस श्रेणी के 134 दिव्यांग श्रेणी के 85, होशंगाबाद विधानसभा में 85 प्लस श्रेणी के 112 दिव्यांग श्रेणी के 58 अनिवार्य सेवाओं के सात मतदाताओं नें सेवाओं का लाभ लिया। सोहागपुर विधानसभा में 85 प्लस के 233 दिव्यांग श्रेणी के 39 एवं पिपरिया विधानसभा में 85 प्लस श्रेणी के 89 दिव्यांग श्रेणी के 49 व्यक्तियों द्वारा मताधिकार का प्रयोग किया गया। इस तरह जिले में कुल 806 मतदाताओं द्वारा मताधिकार का प्रयोग किया गया।

क्षतिग्रस्त पाइप लाइन की तुरंत मरम्मत के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह की अध्यक्षता में सीएम हेल्पलाइन, लंबित एवं समय सीमा वाले पत्रों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को कहा कि वो प्राप्त आवेदनों के निराकरण के मामलो में तेजी लाने के साथ ही प्रकरणों का त्वरित संतुष्टिपूर्ण निराकरण करते हुए विभागीय रैंकिंग में 80 प्रतिशत से बनाये रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि ऐसे आवेदन जो मांग , बजट से संबंधित है उन आवेदनों को फोर्स क्लोज कराने की कार्यवाही की जाए। वहीं ऐसे आवेदन जिनका निराकरण प्रदेश स्तर पर होना है उन पत्रों के संबंध में निराकरण के निहित बिंदुओं व कारणो का स्पष्ट उल्लेख कर विभाग प्रमुख को प्रेषित किए जाए ताकि समय सीमा में सम्पूर्ण कार्यवाही होकर प्रकरण निराकृत हो सकें। कलेक्टर श्री सिंह ने लोकसेवा गारंटी, आरसीएमएस, भूमि अधिग्रहण न्यायालय तथा आयोग के पत्रों पर कार्यवाही के साथ ही अनेक विभागों के विभागीय कार्य की समीक्षा की। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अशीष तिवारी, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, श्री आनंद सिंह राजावत, नितिन टाले, डिप्टी कलेक्टर श्री सुधीर कुशवाह, सभी एसडीएम सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

निर्वाचन गतिविधियों की समीक्षा : कलेक्टर श्री सिंह ने लोकसभा निर्वाचन के कार्यो की समीक्षा के दौरान कहा कि आयोग द्वारा जिन विषयों पर जानकारियां चाही जाती है वे समय सीमा में पहुंचाया जाना सुनिश्चित करें। निर्वाचन के किसी भी कार्य में न तो स्वंय विलम्ब करें और न ही किसी के द्वारा होने दें। उन्होंने कहा कि जिसे जो दायित्व सौपा गया है वो पूरी गंभीरता से निर्वहन करें। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एफएसटी, व्हीएसटी के द्वारा अब सधन जांच पड़ताल की जाएऔर जिले की सीमा में किसी भी प्रकार के अनैतिक गतिविधियां न होने पाए। किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित सामग्री का परिवहन ना हो पाए इसके लिए चौकियों पर सघन जांच पड़ताल हो। जांच पडताल से संबंधित सम्पूर्ण कार्यवाही की वीडियो रिकार्डिंग अनिवार्य रूप से कराई जाए।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन : बैठक मेंकलेक्टर श्री सिंह ने जिले में मतदाता जागरूकता के लिए चलाये जा रहै अभियान का की बात करते हुये कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान के लिए स्वीप कैलेण्डर के अनुसार सभी कार्यवाहियों सुनिश्चित की जाएं। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता संबंधी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएं। उन्होंने कहा कि विधानसभा निर्वाचन में जिस प्रकार मतदाताओं की रूचि मतदान में रही है ठीक वैसे ही लोकसभा की मतदान तिथि 07 व 13 मई को परिलक्षित हो इसके लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम हर स्तर पर प्रभावी ढंग से लगातार आयोजित हो।

मतदाता जागरूता के लिए कलेक्टर द्वारा हस्ताक्षर अभियान

सीहोर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने कलेक्ट्रेट में मतदाता जागरूता के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। हस्तार अभियान के तहत मेरा वोट मेरा अधिकारी राष्टहित में वोट यानी मतदान करना मेरा अधिकार है। कलेक्टर श्री सिंह ने हस्ताक्षर अभियान के तहत आमजनों में मतदान के प्रति जागरूक करने और अधिक से अधिक मतदान कराने को दृष्गित रखते हुये पूरे जिले में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मतदाता जागरूकता के लिए वाहन, स्वीप गतिविधों के तहत मतदाता जागरूकता गतिविधयां आयोजित की जा रही है। जिले में मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से अनेक आयोजन किये जा रहै है जिसमें दिवार लेखन, पोस्टर, चलित वाहन, और वाहन रैली का आयोजन किया जा रहा है।कलेक्टर श्री सिंह ने आमजानों से अपील की है कि वो आगामी 7 मई को होने वाले मतदान में सभी नागरिकों से बढ़ चढ़कर मतदान करने की अपील की।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती

इंदौर, शुक्रवार 19 अप्रैल, 2024

इंदौर-एदलाबाद हाईवे पर 15 फीट चौड़ी पट्टी में पौधे लगाना होंगे

पर्यावरण मंत्रालय ने एनएचएआई के सामने रखी नई शर्त, पौधारोपण का पूरा खर्च उठाएगा एनएचएआई

इंदौर। एदलाबाद हाईवे पर वन विभाग की सिफारिश के बाद वन व पर्यावरण मंत्रालय ने एनएचएआई के सामने नई शर्त रखी है। इसमें सड़क के दोनों तरफ 15 फीट चौड़ी पट्टी में मालवा-निमाड़ के वातावरण के अनुकूलता में पनपने वाले पौधे लगाना होंगे। यह काम बरसात में शुरू किया जाएगा। एनएचएआई ने मेघा कंस्ट्रक्शन कंपनी को निर्देश जारी कर छायादार पौधे लगाने को कहा है। पौधारोपण का पूरा खर्च एनएचएआई उठाएगा।

216 किमी बनने वाला हाइवे इंदौर-बड़वाह वनमंडल की 74 हेक्टेयर वनभूमि से बनेगा। यहां करीब 9800 पेड़ निर्माण में बाधक बने हैं। पेड़ों की मार्किंग, कटाई, परिवहन, पौधारोपण, वनभूमि की नेट प्रेजेंट वेल्यू (एनपीए) 24 करोड़ रुपये हैं। राजस्व की भूमि से भी पेड़ काटे गए हैं।

अब हरियाली बढ़ाने को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए मंत्रालय ने सड़क के दोनों किनारों और डिवाइडर पर पौधे लगाने को कहा है। मालवा-निमाड़ में पाए जाने वाली प्रजातियों की सूची वन विभाग देगा। इन्हें लगाने का काम निर्माण एजेंसी को अपने स्तर पर करना होगा। बरसात में भले ही सड़क निर्माण और सुरंग की खुदाई का काम रोकना पड़ेगा। मगर सड़क के दोनों किनारों पर पेड़ लगाए जाएंगे। इन दिनों सड़क के कुछ हिस्से पर डामरीकरण का काम चल रहा है।

शहर में सड़कों को खोदने का सिलसिला लगातार जारी

इंदौर। शहर में सड़कों को खोदने का सिलसिला अवितरत जारी है इससे कुछ समय के लिए लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। राजमोहल्ला की मुख्य सड़क ड्रेनेज लाइन बिछाने के लिए खोदी गई है। दूसरी ओर कागदीपुरा, छत्रीबाग, जवाहर मार्ग, माहेश्वरी स्कूल और उसके आसपास के कई इलाकों में सालों से ड्रेनेज लाइन ही नहीं थी। अब स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत वहां नई लाइनें डालने का काम शुरू किया गया है। इस काम के लिए दो दिन से मुख्य मार्ग की सड़क खोदी जा रही हैं।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत मध्य क्षेत्र के करीब 50 से ज्यादा स्थानों पर नई ड्रेनेज लाइनों के साथ पुरानी ड्रेनेज लाइनों को बदलने के काम के अलावा नर्मदा की नई सप्लाई लाइनें बिछाने का काम भी शुरू कराया गया था। अब तक करीब 30 से ज्यादा स्थानों पर लाइनें बदलने के काम पूरे हो चुके हैं। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट ने 12 करोड़ से ज्यादा की राशि उक्त क्षेत्र में होने वालों कार्यों के लिए रखी है।

अफसरों के मुताबिक मध्य क्षेत्र की ड्रेनेज और नर्मदा की सप्लाई लाइनें बरसों पुरानी थीं और कई क्षेत्र तो ऐसे हैं जहां बरसों से ड्रेनेज लाइनें ही नहीं थीं। वहां ओपन नालियों से सीवरेज का पानी बहाया जाता था। इसी के चलते निगम ने गंदे पानी के आउटफॉल बंद किए थे और उसके बाद स्मार्ट सिटी ने उक्त क्षेत्रों में नर्मदा और ड्रेनेज का काम शुरू कराया था। कागदीपुरा क्षेत्र की पिछले दो दिनों से ड्रेनेज लाइनों के लिए मुख्य मार्गों की सडक़ें खोदी गई हैं और वहां 450 एमएम की नई बड़ी लाइनें बिछाई जाएंगी। उक्त क्षेत्र में ड्रेनेज लाइन नहीं थी और ओपन नालियां थीं, जिन्हें नई लाइन बिछाने के साथ बंद किया जा रहा है। करीब डेढ़ से दो माह में लाइन बिछाने का काम पूरा होगा। वहीं इसके साथ छत्रीबाग, जवाहर मार्ग, माहेश्वरी स्कूल के समीप कुछ अन्य इलाकों में भी नई ड्रेनेज लाइन बिछाने के लिए काम शुरू किया गया है। अफसरों का कहना है कि अधिकांश इलाकों में काम पूरे हो चुके हैं। यह अंतिम चरण के कार्य कुछ इलाकों में बचे हैं, जिन्हें जल्द पूरा कराया जाएगा।

चुनावी मौसम पर दोपहर की गर्मी भारी

इंदौर। कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की भीड़ गांधी भवन में उसी दिन देखी जाती है, जब जिला या शहर की बैठक आयोजित होती है और कोई पदाधिकारी केंद्र या राज्य से इंदौर पहुंच रहा है। इस बीच गांधी भवन पर बैठे जिम्मेदार इंदौर से पार्टी के घोषित उम्मीदवार अक्षय कांति बम के मुख्य चुनाव कार्यालय से संपर्क का काम भी करते हैं। चुनावी काम में जुटे कार्यकर्ता व पदाधिकारियों को दशहरा मैदान पर बने चुनाव कार्यालय में पहुंचने के निर्देश मिले हैं।दशहरा मैदान पर चुनाव कार्यालय दशहरा मैदान के मुख्य चुनाव कार्यालय में सुबह से लेकर आधी रात तक रौनक बनी नजर आती है। शहर के साथ जिले की अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों कार्यकर्ता व पदाधिकारी यहां पहुंच रहे हैं। उम्मीदवार अक्षय कांति बम भी यहां उपलब्ध रहते हैं। इस बीच कार्यकर्ताओं के चाय-नाश्ते की व्यवस्था भी इसी कार्यालय पर की गई है। चुनाव की रणनीति बनाने से लेकर संपर्क अभियान का शेड्यूल तय करना। कार्यकर्ताओं की विधानसभा क्षेत्रवार बैठकें तय करना व अन्य चुनावी अभियान को अंतिम रूप दशहरा मैदान वाले कार्यालय पर दिए जा रहे हैं। इस बीच कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने-अपने स्तर पर शहर में अलग-अलग अभियान व चुनावी प्रचार कर रहे हैं। इसकी जानकारी गांधी भवन व इस चुनाव कार्यालय पर दी जा रही है।

दुकानों में प्रशासन द्वारा लगाई गई सील को बगैर सक्षम आदेश के खोले जाने पर दो व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशानुसार इंदौर जिले में गत बुधवार को जिला प्रशासन की टीम द्वारा पटाखा दुकानों एवं अन्य दुकानों द्वारा अग्नि सुरक्षा प्रबंध नहीं करने पर इन्हें सील करने की कार्रवाई की गई थी। एसडीएम श्रीमती कल्याणी पांडे ने बताया कि प्रशासन की टीम द्वारा सील की गई दुकानों का कल पुनः निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि घनश्यामदास पिता नानकराम एवं जय प्रकाश पिता सुरेश सुख्यानी की पटाखा दुकानों को प्रशासन द्वारा लगाई गई सील को बगैर सक्षम आदेश के खोला गया है, जो विस्फोटक अधिनियम के विरुद्ध एवं शासकीय कार्य में बाधा के रूप में माना जाकर उक्त दोनों के विरुद्ध प्रशासन द्वारा थाना तेजाजी नगर में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिये पहले दिन प्रेमानंद तोलानी और अजीत पवार ने भरा लोक सभा का नामांकन

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तय निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिये कलेक्टर एवं रिटर्निंग ऑफिसर आशीष सिंह ने अधिसूचना जारी की। कल से नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। पहले दिन दो उम्मीदवारों द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गये। परमानंद तोलानी (निर्दलीय) तथा अजीत सिंह पिता निहाल सिंह सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गये। नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल (गुरूवार) रहेगी। प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक नाम निर्देशन पत्र कलेक्टर कार्यालय में बनाए गए रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष में प्रस्तुत किए जा सकेंगे। रविवार 21 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश होने से नाम निर्देशन पत्र जमा नहीं होंगे। प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) का कार्य 26 अप्रैल 2024 (शुक्रवार) को होगा। अभ्यर्थी 29 अप्रैल 2024 (सोमवार) तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। जिले में 13 मई (सोमवार) को मतदान होगा और 4 जून (मंगलवार) को मतगणना होगी।

करोड़ों रुपए की जमीन पर कब्जा, महापौर और आयुक्त की मिलीभगत से हुआ खेलः नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे

इंदौर। इंदौर नगर निगम के द्वारा अपनी खुद की करोड़ों रुपए कीमत की जमीन पर कब्जा करवा दिया गया है। चुनाव आचार संहिता की आड़ में बिना किसी लिखित आदेश के जमीन के साथ मौके की व्यवस्थाओं को भी कब्जा करने वालों को सौंप दिया गया है। यह पूरा खेल महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त शिवम वर्मा की मिलीभगत से हुआ है। इस खेल के साथ ही इंदौर में खास तौर पर नगर निगम में चौकीदार चोर है सिद्ध करने की कोशिश की गई है।

यह आरोप इंदौर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने सद्भावना संवाददाता से चर्चा करते हुए लगाया है। उन्होंने कहा कि इंदौर नगर निगम की यशवंत सागर तालाब के ठीक सामने गौशाला है। इस गौशाला में इस समय करीब 600 गाय हैं। गौशाला में मौजूद गायों के बीमार होने की स्थिति में उनके उपचार के लिए अस्पताल भी मौजूद है। नगर निगम के द्वारा इस गौशाला का संचालन किया जाता है। इस गौशाला पर निगम की ओर से प्रतिवर्ष 2 करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि महापौर पुष्यमित्र

भार्गव और निगम के नए आयुक्त शिवम वर्मा की मिलीभगत से चुनाव आचार संहिता के समय में एक बड़ा खेल खेला गया है। इस खेल के तहत नवरात्रि के पहले दिन इस जमीन का कब्जा संत अच्युतानंद महाराज को दे दिया गया है। उस दिन से संत अपने पांच चेलों के साथ इस जमीन पर काबिज है । इस जमीन पर संत के रहने के लिए व्यवस्था भी जमा दी गई है। अब जल्द ही गायों के अस्पताल को बंद करने का काम किया जा रहा है।

चौकसे ने कहा महापौर और आयुक्त के द्वारा बड़ी होशियारी दिखाई गई है। इस बारे में नगर निगम की ओर से कहीं कोई आदेश जारी नहीं हुआ। कोई प्रस्ताव मंजूर नहीं हुआ और वाले - वाले ही करोड़ों रुपए कीमत की जमीन का कब्जा उक्त संत को सौंप दिया गया है। इस खेल को करने की तैयारी काफी पहले से की जा रही थी। पूर्व में निगम आयुक्त इस खेल के लिए तैयार नहीं थे, इसके चलते हुए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के विवाद की खबरें समाचार पत्रों की सुर्खी बनी थी। अब तो हालत यह है कि निगम की इस जमीन पर उक्त संत काबिज होकर बैठ गए हैं। । उनके द्वारा वहां काम करने वाले निगम कर्मियों को निर्देश देने, डराने धमकाने का भी काम किया जा रहा है।

निगम की संपत्ति पर कब्जा करने की अगली कड़ी

चौकसे ने कहा कि यह सब कुछ प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की देखरेख में उनकी सहमति के साथ किया जा रहा है। इसके पहले विजयवर्गीय खेमा निगम की संपत्ति के पित्र पर्वत और विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 2 में निगम की संपत्ति के बहुत सारे स्थान को कहीं कनकेश्वरी धाम तो कहीं कनकेश्वरी इन्फोटेक, तो कहीं किसी और नाम से कब्जा करके अपने संरक्षण में ले चुका है। इस कार्य को करने में मंत्री जी और उनके सहयोगी विधायक रमेश मेंदोला की मास्टरी है।

निर्वाचन अधिकारी की निष्पक्षता संदेह में

चुनाव आचार संहिता के दौरान जिस तरह से सरकारी जमीन पर कब्जा कराया गया है। उस मामले को इंदौर के जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा अनदेखा किया जा रहा है। यह संभव नहीं है कि इतना बड़ा गंभीर और संगीन मामला उनकी जानकारी में ना हो। चौकसे ने कहा कि इसके बावजूद आधिकारिक तौर पर हम इस पूरे मामले की शिकायत जिला निर्वाचन अधिकारी को करने जा रहे हैं। इस शिकायत के आधार पर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का मुकदमा भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी, प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव व अन्य के खिलाफ दर्ज किया जाना चाहिए।

पुलिस पर हमला करने वाला एक आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

इंदौर में चार दिन में दूसरी बार पुलिस पर हमला हो गया। बुधवार देर रात वारंटी बदमाश को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर तीन लोगों ने हमला कर दिया इस मामले में पलासिया पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल चोरी के एक मामले में बुधवार रात वारंट तामील कराने भंवरकुआं थाने के हेड कांस्टेबल कुलदीप, राजेश उपाध्याय व कांस्टेबल कृष्णचंद्र शर्मा विनोबा नगर पहुंचे। जहां चोरी के मामले में फरार सुंदरलाल पिता बाबूलाल और विजय सिंह पिता रामचंद्र कोरी को पकड़ने गए थे। इस दौरान उनकी गाड़ी एक वाहन से टकरा गई। इस पर विवाद शुरू हो गया।जहां विवाद बढ़ा तो क्षेत्र के राधेश्याम पालीवाल, लक्की पारिया और छोटू पारिया ने अपने साथियों के साथ तीनों पुलिसकर्मियों पर हमला बोल दिया और मारपीट करने लगे। तीनों ने कंट्रोल रूम फोन कर मदद मांगी तो पलासिया थाने के दो कांस्टेबल मौके पर पहुंचे। बदमाशों ने इनके साथ भी मारपीट की। बाद में भारी फोर्स पहुंचा तब तक बदमाश भाग चुके थे। पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज किया है और एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गौरतलब है कि तीन दिन पहले बंगाली चौराहे पर एक गुंडे ने ट्रैफिक कांस्टेबल के साथ मारपीट कर गाली-गलौज की थी। गुंडा करण धालीवाल खजराना चौराहे पर रेड सिग्नल में हूटर बजा रहा था। ड्यूटी पर तैनात जवान ने उसे टोका तो रौब झाड़ने लगा। इसके बाद तिलक नगर थाने से भाग निकला था। देर रात उसे गिरफ्तार कर अगले दिन जुलूस निकाला था।

लू के प्रकोप से बचाव के लिए दोपहर में बाहर निकलने से बचें

इंदौर, एजेंसी। इंदौर जिले में बढ़ते हुए तापमान को देखते हुये लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव हेतु एडवायजरी जारी की गई है। लू (तापघात) से बचाव हेतु नागरिकों से अपील की गई है कि लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव एवं उपचार के लिए जारी एडवायजरी में दिए गए सुझावों का पालन करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. बीएस सैत्या ने नागरिकों से कहा है कि लू (तापघात) के लक्षण दिखाई देते ही निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। बचाव के उपाय करें। उन्होंने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में लू लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना लू (तापघात) के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं।

लू से बचाव के लिए यह करें

डॉ. सैत्या ने कहा है कि गर्मी व लू से बचाव के लिए खूब पानी पिएं व खाली पेट न रहें, शराब व कैफिन के सेवन से बचें, ठंडे पानी से नहाएं, सर ढंके व हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहने, बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़े, दिन में दोपहर 12 से शाम 4 के मध्य बाहर जाने से बचें, धूप में नंगे पांव न चलें, बहुत अधिक भारी कार्य न करें। बाहर निकलना आवश्यक हो तो छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें, धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी अवश्य पिएं। बुखार व लू लगने पर निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। ओआरएस का घोल, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी, फलों का रस इत्यादि का सेवन लाभदायक होता है।

ईको टूरिज्म सेंटर की तर्ज पर बनेगा सिटी फारेस्ट

इंदौर। एयरपोर्ट इंदौर के पास सिटी फारेस्ट बनाने की बनाने की कवायद एक बार फिर से शुरू हो गई है। वन विभाग का कहना है हमारा मकसद यहां पर सिर्फ सिटी फारेस्ट बनाना भर नहीं है। हम ऐसी प्लानिंग कर रहे हैं कि यह सिटी फारेस्ट ईको टूरिज्म सेंटर की तरह हो, यानी इसका इस्तेमाल सिर्फ टहलने के लिए ही नहीं, बल्कि पर्यावरण के बारे में जानने और सीखने के लिए भी हो। इस मामले में डीएफओ 22 अप्रैल को वरिष्ठ अधिकारियों से बात करेंगे। डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी के अनुसार यह सिटी फारेस्ट एयरपोर्ट के पास प्रस्तावित है, इसलिए इसे विशेष प्रकार से तैयार करने की प्लानिंग चल रही है। यदि सिर्फ पेड़-पौधे लगाकर सिटी फारेस्ट बनाना होता तो अभी तक कब का बन चुका होता। एयरपोर्ट के पास होने के कारण इसे ऐसा बनाना चाहते हैं कि एयरपोर्ट आने-जाने वाले फ्लाइट के यात्रियों के परिजन यहां वक्त गुजार सके।यह सब होगा ईको टूरिज्म सिटी फारेस्ट में इस ईको टूरिज्म की तर्ज पर बनने वाले इस सिटी फारेस्ट में कैंटीन, बैठने के लिए लकड़ी की बेंच, झूलने के लिए झूले छोटा सा तालाब के अलावा कई प्रकार के दुर्लभ प्रजाति वाले पेड़-पौधे, वनस्पति औषधीय पौधे लगाए जाएंगे। इसके अलावा पर्यटन सम्बन्धित सुविधाओ के अलावा यहां पर नक्षत्र गार्डन बनाया जाएगा, जिसमें 27 नक्षत्र, 12 राशि और 9 ग्रह से सम्बंधित पेड़-पौधे लगे होंगे।

तीन साल से अटक पड़ा है सिटी फारेस्ट

यह सिटी फारेस्ट का प्रोजेक्ट लगभग 3 साल से अटका पड़ा है। इसके पहले डीएफओ नरेंद्र पाण्डवा ने भी सिटी फारेस्ट बनाने के दावे किए थे, मगर उनके कार्यकाल तक उनकी यह योजना फाइलों तक ही सिमट कर रह गई।

महापौर ने कई वार्डों में सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

इंदौर। गुरुवार को सुबह महापौर ने कई वार्ड में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान वार्ड 41 में कई जगह गंदगी और कचरा मिला जिस पर उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को फटकार लगाई। मंगलमूर्ति नगर से रिद्धी सिद्धी नगर को जोडऩे वाली सड़क का काम घटिया तरीके से किया जा रहा था, इस पर उन्होंने निगम अफसरों को निर्देश दिए कि वे पूरे मामले की जांच कराए।

शहर में सफाई व्यवस्था को ठीक करने के लिए कमिश्नर शिवम वर्मा अलग-अलग क्षेत्रों का निरीक्षण कर लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों को नसीहत दे रहे हैं। बुधवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव वार्ड 41 में क्षेत्रीय पार्षद और अन्य लोगों के साथ सफाई व्यवस्था का औचक दौरा करने निकले तो कई जगह सड़क किनारे गंदगी और कचरा पड़ा मिला। इस पर उन्होंने क्षेत्रीय सीएसआई और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाई और सफाई व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्र में मंगलमूर्ति नगर से रिद्धी सिद्धी नगर को जोडऩे वाली सड़क का नगर निगम द्वारा एजेंसी के माध्यम से निर्माण कार्य कराया जा रहा है। सड़क निर्माण कार्य को देखने के बाद उन्होंने कहा कि घटिया स्तर का निर्माण कार्य किया जा रहा है और उन्होंने जनकार्य विभाग के अफसरों के साथ-साथ अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन को पूरे मामले की जांच कराने के निर्देश दिए। ज्ञातव्य है कि निगम द्वारा कई स्थानों पर सडक़ों के निर्माण कार्य कराए जाते हैं, लेकिन क्षेत्रीय बीओबीआई या जनकार्य विभाग के कोई अफसर वहां सडक़ निर्माण कार्य देखने ही नहीं पहुंचते हैं।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, शुक्रवार 19 अप्रैल, 2024

संपादकीय

चुनाव में धनबल की ताकत...

चुनावों में धनबल के बढ़ते चलन को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। इसे रोकने के लिए सरकार और भारत निर्वाचन आयोग सतत प्रयत्नशील देखे गए हैं। मगर हकीकत यही है कि इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगने के बजाय यह हर बार कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज होती है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस बार आम चुनाव के पहले चरण का मतदान हुआ भी नहीं है और अब तक चार हजार छह सौ पचास करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती की जा चुकी है। यह पिछले आम चुनाव में हुई कुल तीन हजार चार सौ पचहत्तर करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती से बहुत अधिक है।

निर्वाचन आयोग का कहना है कि मार्च से जब्ती का सिलसिला शुरू हुआ और अब तक हर रोज करीब सौ करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती की जा रही है। अभी तक की गई जब्ती में करीब पैंतालीस फीसद हिस्सा मादक पदार्थों का है। इसमें केवल तीन सौ पंचानबे करोड़ रुपए नगदी जब्त की गई है। चार सौ नवासी करोड़ रुपए मूल्य की शराब और दो हजार उनहत्तर करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त हुए हैं।

छिपी बात नहीं है कि चुनावों में काले धन को सफेद करने की कोशिशें तेज हो जाती हैं। राजनीतिक दल बहुत सारे ज्ञात-अज्ञात स्रोतों से चंदा इकट्ठा करते हैं। इसी से पार पाने के लिए चुनावी बांड का नियम बना था। मगर वह भी पारदर्शी साबित नहीं हुआ। उसमें काले धन और संदिग्ध चंदे का प्रवाह देखा गया। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने उसे असंवैधानिक करार दे दिया। मगर चुनावी बांड से आए चंदे के हिसाब-किताब से यह तो पता चल गया कि कुछ

राजनीतिक दलों के पास भारी मात्रा में धन जमा हो गया है।

जाहिर है, जिन दलों के पास जितना अधिक धन है, वे उतना अधिक खर्च भी करेंगे। मगर चुनाव में मनमाने खर्च से समानता के अवसर का सिद्धांत बाधित होता है। इस पर अंकुश लगाना भारत निर्वाचन आयोग का दायित्व है। अच्छी बात है कि इस दिशा में वह प्रयास कर रहा है। मगर धनबल से जनबल को प्रभावित करने की प्रवृत्ति इस कदर बढ़ती गई है कि प्रत्याशी और पार्टियां न केवल निर्वाचन आयोग द्वारा तय सीमा से अधिक खर्च करने, बल्कि मतदाताओं को चोरी-छिपे नगदी और शराब, मादक पदार्थ, महंगे उपहार आदि देकर प्रभावित करने की कोशिश भी करती हैं। विचित्र है कि इसमें स्थानीय प्रशासन भी उनका सहयोग करता है। इस चुनाव में पार्टियों की मदद करते एक सौ छह सरकारी अधिकारी अब तक पकड़े जा चुके हैं।

इस बार चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले ही निर्वाचन आयोग अवैध धन के प्रवाह पर रोक लगाने के लिए निगरानी दलों के गठन का एलान कर दिया था। अच्छी बात है कि वे निगरानी दल मुस्तैदी से काम कर रहे हैं। मगर केवल जब्ती से राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की इस प्रवृत्ति को कहां तक रोका जा सकेगा, कहना मुश्किल है। इस तरह मादक पदार्थ और शराब बांट कर वे लोगों को नशे के गर्त में धकेल रहे हैं। जब तक उन पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होगी, उनमें शायद ही हिचक पैदा हो। मगर निर्वाचन आयोग को एक नख-दंत विहीन शेर बना कर रखा गया है। इसलिए राजनेता और राजनीतिक दल मनमानी से बाज नहीं आते।

मतदान समाप्ति से 48 घंटे पहले तक टेलीविजन या अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले का प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा

● भारत निर्वाचन आयोग ने मीडिया कव्हरेज के लिए जारी किये दिशा-निर्देश ● प्रावधानों के उल्लंघन पर हो सकती है 2 साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिये मीडिया कव्हरेज के परिप्रेक्ष्य में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। आयोग ने कहा है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126(1)(बी) के अनुसार टेलीविजन, सिनेमैटोग्राफ या इसी तरह के अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले (विज्ञापन या प्रचार आदि) का प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध किसी भी मतदान क्षेत्र में मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले तक की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति सिनेमैटोग्राफ, टेलीविजन या अन्य समान उपकरण के माध्यम से किसी भी चुनावी मामले को जनता के समक्ष प्रदर्शित नहीं करेगा। इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति को दो साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। आयोग के अनुसार चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने या ऐसे इरादे या गणना करने जैसा कोई भी प्रयास चुनावी मामला माना जायेगा।

टीवी चैनलों में पैनल चर्चा/बहस और अन्य समाचार और समसामयिक कार्यक्रमों के प्रसारण में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप लगते हैं। इस संबंध में आयोग ने स्पष्ट किया है कि टीवी/रेडियो चैनलों और केबल नेटवर्क को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि धारा 126 में उल्लेखित 48 घंटों की अवधि के दौरान उनके द्वारा प्रसारित/प्रदर्शित कार्यक्रमों के कंटेन्ट में दृश्य सहित ऐसी कोई भी सामग्री शामिल नहीं है। पैनलिस्टों/प्रतिभागियों द्वारा अपील करने पर उन्हें किसी पार्टी विशेष या उम्मीदवार की संभावना को बढ़ावा देने या चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के रूप में माना जा सकता है। इसमें जनमत सर्वेक्षण और मानक बहस, विश्लेषण, दृश्य और ध्वनि-बाइट्स का प्रदर्शन शामिल होगा। इसमें टीवी, केबल नेटवर्क, रेडियो, सिनेमा हॉल में किसी भी चुनावी मामले पर राजनीतिक विज्ञापन, किसी भी मतदान में थोक एसएमएस/वॉयस संदेशों, ऑडियो विजुअल डिस्प्ले का उपयोग आदि भी शामिल है।

आयोग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर राजनीतिक विज्ञापनों के लिये आयोग के पूर्व आदेशानुसार राज्य/जिला स्तर पर गठित समितियों द्वारा पूर्व-प्रमाणन की आवश्यकता होगी। इस संदर्भ में आयोग द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का एनबीएसए द्वारा 3 मार्च, 2014 को जारी ÷चुनावी प्रसारण के लिए दिशा-निर्देश÷ की ओर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया गया है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (IAMAI) ने आम चुनावों के दौरान चुनावी प्रक्रिया की अखंडता बनाए रखने के लिए अपने प्लेटफार्मों के स्वतंत्र, निष्पक्ष और नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सभी भाग लेने वाले सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के लिए एक ÷स्वैच्छिक आचार संहिता÷ भी विकसित की है। सभी चुनावों के दौरान इस ÷स्वैच्छिक आचार संहिता÷ का पालन किया जाना चाहिए। यह संहिता वर्तमान लोकसभा चुनावों में भी लागू है। इस संबंध में आयोग द्वारा सभी संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का 20 मार्च, 2019 की ÷स्वैच्छिक आचार संहिता÷ की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है।

आयोग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार या कोई अन्य संगठन या व्यक्ति मतदान के दिन और मतदान के दिन से एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में कोई विज्ञापन प्रकाशित नहीं करेगा, बशर्ते कि राजनीतिक विज्ञापनों की सामग्री पूर्व-प्रमाणित हो। उनके द्वारा राज्य/जिला स्तर पर एमसीएमसी समिति से अनुमोदन लेना होगा। आवेदकों को ऐसे विज्ञापनों के प्रकाशन की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले राज्य/जिला स्तरीय एमसीएमसी कमेटी को आवेदन करना होगा।

आयोग द्वारा यह भी कहा गया है कि पाठकों को गुमराह करने के लिए समाचार सुर्खियों के रूप में राजनीतिक विज्ञापन विशेष रूप से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे। किसी पार्टी विशेष की जीत की भविष्यवाणी करने वाले विज्ञापनों पर स्पष्ट प्रतिबंध रहेगा और चुनाव परिणामों से संबंधित किसी भी प्रकार की अटकलों से संबंधित मैटर से भी बचना चाहिए। प्रेस काउंसिल के पत्रकारों का आचरण के मानदंडों के भाग (ए) पैरा 2 (&ii) पर भी विशेष ध्यान आकर्षित किया गया है। इसमें यह कहा गया है कि ÷एक संपादक समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों सहित अन्य सभी मामलों के लिए जिम्मेदार होगा।

चुनावी सीजन में राजनीतिक दलों का फेस्टिवल ऑफर

18वीं लोकसभा के लिए हो रहे चुनाव के नये घोषणापत्र पर आम और खास सभी की नजरें टिकी हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र का नाम न्याय पत्र दिया है। इसके नाम के पीछे तर्क है, न्याय पत्र आम लोगों को न्याय दिलाएगा। कांग्रेस के न्याय पत्र में पांच न्याय और 25 गारंटी हैं। पांच न्याय हैं- हिस्सेदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्याय।

कांग्रेस के घोषणापत्र में सभी वर्गों के लिए रेवड़ियां हैं। इसमें 30 लाख नौकरियां, गरीब परिवार की महिलाओं को एक लाख रुपये सालाना, राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना, एमएसपी को कानूनी दर्जा, मनरेगा मजदूरी को प्रति दिन 400 रुपये किया जाना, जांच एजेंसियों का दुरुपयोग रोकना, सच्चर कमेटी की सिफारिशों को लागू किया जाना और पीएमएलए कानून में बदलाव किया जाना शामिल हैं।

अनिल तिवारी

लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए दावों और वादों का पिटारा खुल गया है। जितने उम्मीदवार, उतने वादे। जितने दल, उतने दावे। इन वादों और दावों की अंधी गलियों में आम आदमी खो सा गया है। आम आदमी से जुड़े रोटी, कपड़ा, रोजगार, मकान, पढ़ाई और दवाई के मुद्दे बात-बहस में तो बढ़ चढ़कर बोले जा रहे हैं लेकिन तलाशने पर वैसे ही गायब हैं जैसे चील के घोसले से मांस। राजनीतिक दलों की ओर से घोषणाओं की प्रतिस्पर्धा चालू है। कोई घी दूध की नदियां बहाने का सपना परोस रहा है, तो कोई पलक झपकते चांद सूरज मुट्ठी में कर लेने का पासा फेंक रहा है। संख्या बल के हिसाब से जो दल न तीन में है न तेरह में वे तो घोषणाओं के मामले में स्थापित दलों से कई गज आगे कूद रहे हैं। मिनटों में हथेली पर सरसों उगा लेने जैसे असंख्य नुस्खों के साथ वे जनता को भरमाने में जुटे हुए हैं।

आप चाहे मोदी की गारंटी कहें, न्याय पत्र कहें, संकल्प पत्र कहें, विजन डॉक्यूमेंट कहें या फिर घोषणापत्र, बात एक ही है कि किसी तरह जनता को सपनों की दुनिया में ले जाकर उनके कीमती वोटों की फसल काटना। इस सपनीली दुनिया की माया भी है, और राम भी। गेहूं भी है, और गुलाब भी। निर्भर जनता पर करता है कि उसकी रुचि किसमें है, लौकिक जीवन के सुख में, या पारलौकिक दुनिया में सब कुछ पा लेने की उम्मीद भरे संतोष में।

बहरहाल, 18वीं लोकसभा के लिए हो रहे चुनाव के नये घोषणापत्र पर आम और खास सभी की नजरें टिकी हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र का नाम न्याय पत्र दिया है। इसके नाम के पीछे तर्क है, न्याय पत्र आम लोगों को न्याय दिलाएगा। कांग्रेस के न्याय पत्र में पांच न्याय और 25 गारंटी हैं। पांच न्याय हैं- हिस्सेदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्याय।

कांग्रेस के घोषणापत्र में सभी वर्गों के लिए रेवड़ियां हैं। इसमें 30 लाख नौकरियां, गरीब परिवार की महिलाओं को एक लाख रुपये सालाना, राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना, एमएसपी को कानूनी दर्जा, मनरेगा मजदूरी को प्रति दिन 400 रुपये किया जाना, जांच एजेंसियों का दुरुपयोग रोकना, सच्चर कमेटी की सिफारिशों को लागू किया जाना और पीएमएलए कानून में बदलाव किया जाना शामिल हैं।

मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के न्याय पत्र के जवाब में सत्ताधारी दल भाजपा ने भी मोदी की गारंटी शीर्षक से अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। घोषणा पत्र में 10 सामाजिक समूहों के लिए वादों पर खूब जोर है। यह समूह है गरीब, मध्यम वर्ग, महिलाएं, युवा, वरिष्ठ नागरिक, किसान, मछुआरे, मजदूर, व्यापारी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति जैसे पारंपरिक रूप से वंचित वर्ग। मोदी की गारंटी में 70 साल के सभी बुजुर्गों को 5 लाख तक की मुफ्त स्वास्थ्य योजना, थर्ड जेंडर को भी आयुष्मान में शामिल करना, वन स्टूडेंट वन आईडी कार्ड, ओलंपिक की मेजबानी के साथ-साथ इंसान को चांद पर भेजने का वादा किया गया है। भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में एक राष्ट्र एक चुनाव और समान नागरिक संहिता को लागू करने की प्रतिबद्धता को दोहराया है लेकिन राष्ट्रीय नागरिक पंजीकरण (एनआरसी) जैसे विवादास्पद मुद्दे से परहेज रखा है। 76 पृष्ठों के इस

घोषणा पत्र में मोदी की गारंटी के 24 अध्याय हैं जिसमें विकास के लिए चुनिंदा क्षेत्रों को रेखांकित किया गया है।

इस क्रम में समाजवादी पार्टी (सपा) ने जनता का मांग पत्र हमारा अधिकार शीर्षक से अपना घोषणापत्र विजन डॉक्यूमेंट जारी किया है। इस विजन डॉक्यूमेंट में 2025 तक जाति आधारित जनगणना कराने की बात कही गई है, जिसके आधार पर 2029 तक सबको न्याय एवं हिस्सेदारी सुनिश्चित करने का वादा किया गया है। 2025 तक अनुसूचित जाति/जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के सभी सरकारी रिक्त पदों को भरने, निजी क्षेत्र में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने, पेपर लीक से मुक्ति दिलाने और किसान को सभी फसल पर एमएसपी स्वामीनाथन फॉर्मूले के तहत दिलाने की बात भी कही है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने अपने घोषणापत्र में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम को निरस्त करने का वादा किया है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने का भी वादा किया गया है। यह भी कहा है कि मनरेगा के तहत दैनिक मजदूरी बढ़ाकर 700 रुपये की जाएगी। भाकपा ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के खात्मे, आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने, जाति जनगणना कराने, संपत्ति कर व विरासत कर जैसे कराधान उपाय लागू करने, कॉरपोरेट कर बढ़ाने, निजी क्षेत्र में आरक्षण लागू करने का भी वादा किया है।

मोटे तौर पर राजनीतिक दल चुनाव के समय अपने कार्यक्रम, नीतियों तथा उद्देश्यों को बताने के लिए घोषणापत्र जारी करते है। लोकतांत्रिक राज व्यवस्था में घोषणापत्र एक तरह से राजनीतिक दलों के कार्यों का आईना होता है। इसके माध्यम से दलों की नीतियों का पता चलता है। जनता को यह जानने का पूरा हक है कि जिस प्रतिनिधि को वह अपना बहुमूल्य वोट देने जा रही है, वह क्या करना चाहता है, उसकी नीतियां क्या हैं।

मौजूदा चुनाव के लिए विभिन्न दलों की ओर से आ रही गारंटी फेस्टिवल ऑफर का एहसास कर रही हैं। एक तरफ मोदी की गारंटी हैं, तो दूसरी तरफ कांग्रेस की 25 गारंटी। ये गारंटी सही मायने में फेस्टिवल ऑफर की तरह हैं। मतलब लोकतंत्र के महोत्सव में राजनीतिक दलों का फेस्टिवल ऑफर। बाजारवाद का इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है। वोट दो और ये ऑफर (गारंटी) ले जाओ। जनता के वोट 24 कैरेट सोने की तरह हैं, लेकिन गारंटी कितनी पक्की हैं, यह वक्त बताएगा।

लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा के संकल्प पत्र के 10 मुख्य बिंदुओं में शामिल थे- अयोध्या में राम मन्दिर, जम्मू-कश्मीर से धारा 35ए और 370 हटाना, छोटे किसानों के लिए पेंशन, छोटे दुकानदारों के लिए पेंशन, राष्ट्र सुरक्षा पर वादा, एक साथ चुनाव कराने का संकल्प, प्रत्येक परिवार के लिए पक्का मकान, आयुष्मान भारत योजना, समान नागरिक संहिता और ट्रांसजेंडर्स को समाज को मुख्य धारा में लाने का वादा।

भाजपा ने अयोध्या में राममन्दिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर से धारा 35ए और 370 हटाने, आयुष्मान भारत योजना जैसे वादों को पूरा किया है लेकिन, प्रत्येक परिवार के लिए पक्का मकान, छोटे दुकानदारों के लिए पेंशन, छोटे किसानों के लिए पेंशन% किसानों की दो गुनी आय, प्रतिवर्ष 2 करोड़ रोजगार अभी भी दूर की कौड़ी साबित हो रहे हैं।

यहां यह कहना गलत न होगा कि दस साल के शासनकाल में भाजपा अपने संकल्प पत्र को पूरा करने के लिए संकल्पित दिखी। कई एक वादों पर भाजपा ने गंभीरता से काम किया है। समान नागरिक संहिता की दिशा में भी पर्याप्त प्रगति हुई है। वादे के अनुरूप भाजपा के काम करने का उत्साह सहज ही देखा जा सकता है।

कांग्रेस भी विधानसभा चुनावों में जिन राज्यों में सत्ता में आई, वहां घोषणापत्र को अमली जामा पहनाने के लिए प्रयासरत दिखी। 2014 से कांग्रेस केंद्रीय सत्ता से दूर है, ऐसे में कहना मुश्किल है कि कांग्रेस अगर केंद्र की सत्ता में आती है, तो अपने घोषणापत्र को जमीन पर उतारने में सफल रहती, या उसके सिर्फ वादे ही रह जाते हैं।

अब देखना है कि 2024 लोक सभा चुनाव का ऊंट किस करवट बैठता है। कौन-सा गठबंधन केंद्र की सत्ता तक पहुंचता है, और अपने घोषणापत्र में किए गए दावे और वादों के अनुरूप जनता को सशक्त करने के लिए काम करता है। फिलहाल राजनीतिक सौदागर सपना बेचने में जुटे हुए हैं। गारंटी के जाल में कौन फंसता है और किस बहेलिए की किस्मत खुलेगी, इसका अंतिम निर्णय 4 जून को मतगणना के बाद ही होगा।

ज्वारा विसर्जन चल समारोह निकाला गया

उमरिया। नवरात्रि पर्व के समापन अवसर पर गुरुवार को नगर में विशाल ज्वारा विसर्जन चल समारोह निकाला गया। मां संतोषी शक्ति पीठ गांजरा धाम मंदिर प्रांगण से प्रारंभ चल समारोह में महिलाएं एवं बालिकाएं 9 दिन पूर्व बोये गए जौ के ज्वारे सर पर रखकर चल रही थी। बैंड- बाजे के साथ निकले चल समारोह पर कई स्थानों पर पुष्प वर्षा की गई। जुलूस में अनेक भक्त नाचते-गाते चल रहे थे। नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ चल समारोह सगरा तालाब पर पहुंचा जहां ज्वारे विसर्जित किये गए।

उल्लेखनीय है कि घर में सुख-समृद्धि के लिए नवरात्रि के पहले दिन एक मिट्टी के पात्र में ज्वारे बोए जाते हैं। मां अन्नपूर्णा की प्रतीक माने जाने वाली इस फसल को नवरात्रि के पहले दिन ही कलश स्थापना के साथ बोया जाता है और पर्व के समापन पर विसर्जित किया जाता है।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सदभावना पाती
शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप्प पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सदभावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

गूगल ने फिर चलाई छंटनी की तलवार

कॉस्ट कटिंग के बीच कुछ कर्मचारी भारत समेत इन देशों में भेजे जाएंगे

कैलिफोर्निया एजेंसी। बड़ी-बड़ी आईटी कंपनियां इन दिनों संभावित मंदी से जूझ रही हैं। लागत में कमी करने के लिए ये कंपनियां कर्मचारियों पर छंटनी की तलवार चला रही हैं। इस बीच गूगल से भी ऐसी ही खबर सामने आई है। एक बार फिर अल्फाबेट के स्वामित्व वाली गूगल अपने कर्मचारियों को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखा रही है। गूगल ने बड़े स्तर पर कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है।

इसलिए हो रही छंटनी

कंपनी के एक प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि कॉस्ट कटिंग यानी लागत में कमी लाने के लिए कर्मचारियों की संख्या में कटौती की जा रही है। उन्होंने कहा कि छंटनी पूरी कंपनी में नहीं की जा रही है। इसलिए इससे प्रभावित कर्मचारी अन्य किसी भूमिका के लिए आवेदन कर सकेंगे। हालांकि, प्रवक्ता ने छंटनी से प्रभावित होने वाले कर्मचारियों की संख्या और इसमें शामिल टीमों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

इन देशों में भेजे जाएंगे कर्मचारी

छंटनी से प्रभावित कुछ लोगों को कंपनी भारत, शिकागो, अटलांटा और डबलिन समेत उन जगहों पर भेजेगी, जहां वह निवेश कर रही है। गौरतलब है, इस साल टेक और मीडिया जगत में कई नौकरियों में कटौती के बाद गूगल में भी यह छंटनी हो रही है, जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि छंटनी जारी रह सकती है। साफ है कि कंपनियां आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रही हैं।

इन विभागों के कर्मचारियों पर चली तलवार

एक रिपोर्ट के अनुसार गूगल के रियल एस्टेट और वित्त विभागों की कई टीमों के कर्मचारी इस छंटनी से प्रभावित हुए हैं। प्रभावित वित्त टीमों में गूगल ट्रेजरी, बिजनेस सर्विसेज और रेवेन्यू कैश ऑपरेशन्स शामिल हैं। इतना ही नहीं, गूगल के वित्त प्रमुख रूथ पोराट ने अपने कर्मचारियों को एक ईमेल भेजा है। इसमें कहा गया है कि पुनर्गठन में बंगलूरू, मैक्सिको सिटी और डबलिन में विकास का विस्तार शामिल है।

पहले ही किया था आगाह

ऐसा नहीं है कि यह पहली बार है जब कंपनी ने कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया है। इससे पहले गूगल ने जनवरी में भी अपनी इंजीनियरिंग, हार्डवेयर और सहायक टीमों समेत कई टीमों के सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था, क्योंकि कंपनी ने निवेश बढ़ाते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पेशकश की थी। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कथित तौर पर इस साल की शुरुआत में कर्मचारियों से नौकरियों में कटौती किए जाने को लेकर पहले ही आगाह कर दिया था।

नैक के पुराने ग्रेडिंग सिस्टम से निरीक्षण करवाने के लिए डीएवीवी करेगा आवेदन

इंदौर। शैक्षणिक संस्थानों का आकलन करने को लेकर राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) ने नियमों में बदलाव किया है। यह जुलाई से शुरू होने वाले सत्र से लागू किया जाएगा। अभी नियमों के संबंध में संस्थानों को स्पष्टता नहीं है। यही वजह है कि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय नैक से अपना मूल्यांकन पुराने ग्रेडिंग सिस्टम से करवाने जा रहा है। अधिकांश विभाग अध्यक्षों ने पीयर टीम से निरीक्षण करवाने को सहमति दी है। अगले कुछ सप्ताह में विश्वविद्यालय नैक को आवेदन भेज सकता है। हालांकि विश्वविद्यालय के पास 30 जून तक का समय है।अप्रैल में नैक ने जुलाई से संस्थानों का मूल्यांकन नए नियम से करने के बारे में बताया है। पुराने नियमों के मुताबिक सेल्फ स्टडी रिपोर्ट (एसएसआर) और पीयर टीम संस्थान का आकलन करती थी, जिसमें 70 फीसद अंक एसएसआर और 30 फीसद अंक पीयर टीम को देने होते थे। मगर नए नियम में पीयर टीम की व्यवस्था खत्म कर दी गई है। संस्थानों का मूल्यांकन करने पीयर टीम नहीं जाएगी।

दूसरा बड़ा बदलाव वन नेशन वन डाटा रखा है। संस्थान का एक ही डाटा सारी एजेंसी में इस्तेमाल हो सकेगा। जैसे संस्थान ने शिक्षकों-विद्यार्थियों, कोर्स, सीट सहित अन्य डाटा तैयार किया है। यह डाटा नैक, एआइसीटीई, एबीसी, यूजीसी सहित अन्य एजेंसी मान्य करेगी। बार-बार संस्थान को डाटा भेजना नहीं होगा। इन नियमों को लेकर बीते सप्ताह विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएई) की बैठक हुई। इसमें सभी विभाग अध्यक्ष मौजूद थे। जिन्होंने पुराने नियम यानी ग्रेडिंग सिस्टम से संस्थान का मूल्यांकन पर जोर दिया है। बैठक में विभाग अध्यक्षों ने पुराने नियमों से अपने-अपने संस्थानों का आकलन करवाने की इच्छा जताई है। इसके पीछे वजह यह है कि बीते चार साल से संस्थानों ने पुराने नियमों को मानकर तैयारी की है। इस बात पर कुलपति डॉ. रेणु जैन भी राजी दिखी। उन्होंने भी पुराने सिस्टम से आवेदन कर पीयर टीम से निरीक्षण करवाने की बात कही।

अभी दोनों नियम से आकलन करवाने की छूट- कुलपति का कहना है कि नए नियम में स्पष्टता नहीं है। हमारी तैयारी पुराने नियमों से हुई है। वैसे भी नैक ने इस बार संस्थानों को दोनों नियम से संस्थान का आकलन करवाने की छूट दी है तो विश्वविद्यालय को ग्रेडिंग सिस्टम पर जाना चाहिए। आइक्यूएई के प्रभारी डा. प्रतोष बंसल का कहना है कि नैक के नए नियमों के बारे में जुलाई तक पता चलेगा। वैसे नैक ने फिलहाल संस्थानों को दोनों नियम से निरीक्षण करवाने की छूट दे रखी है। 30 जून तक आवेदन करना है।

तीन वर्ष बाद भी नहीं मिले सीएम राइज स्कूलों को नए भवन

इंदौर। तीन साल पहले प्रदेश सरकार ने सभी जिलों में सीएम राइस स्कूल शुरू करने की घोषणा की थी। इसके बाद बिना किसी संसाधन के शैक्षणिक सत्र 2022-23 में इंदौर जिले में स्कूल शुरू भी कर दिए गए। वर्तमान शिक्षा सत्र में जिले के 11 राइज स्कूलों के नए भवन तक नहीं बन पाए है। विद्यार्थियों की अत्याधुनिक कक्षाएं पुराने स्कूल में ही संचालित हो रही है। एक स्कूल की इमारत के लिए तो अब तक जमीन का आवंटन तक नहीं हुआ है। वहीं इस शिक्षा सत्र से जिले में सात नए सीएम राइज स्कूल भी खोले गए है।जिले में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में 11 सीएम राइज स्कूल चुने गए थे, जिसमें से उमावि नंदा नगर, उमावि पाल कांकरिया सांवेर, उमावि मल्हार आश्रम, अहिल्या आश्रम, मॉडल स्कूल देपालपुर, मॉडल स्कूल सांवेर, मालव स्कूल, महाराजा शिवाजी राव स्कूल, मॉडल स्कूल महू गांव और हाई स्कूल शिवनगर में नई इमारत का काम शुरू हो चुका है। लेकिन यह काम भी 10 से 30 फीसदी ही पूरा हुआ है।वहीं उमावि मुसाखेड़ी में इमारत के लिए जमीन तो खोज ली गई, लेकिन आवंटन कार्य अब तक पूरा नहीं हुआ है। नए शिक्षा सत्र से जिले में सात नए सीएम राइज स्कूल शुरू किए गए है, लेकिन यह सभी स्कूल भी पुराने भवन में ही संचालित होंगे।आम स्कूलों की जगह सीएम राइज स्कूल में उच्च गुणवत्ता की आधुनिक शिक्षा दी जाना है। यहां केजी-1 से लेकर 12 तक की कक्षाएं संचालित होना है। इसके साथ शिक्षा गुणवत्ता में सुधार किया जाना है। यहां पढ़ने वाले 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को 80 और 90 फीसद परिणाम लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही परिसर में कैफेटेरिया, स्कूल बस, लाइब्रेरी, हाइटेक लैब, नए कोर्स आदि भी शुरू किए जाने है।

डीएवीवी : सत्र 2024-25 से आईईटी में सर्टिफिकेट, डिग्री और पीजी के तीन नए कोर्सेस होंगे शुरू

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी (आईईटी) में सर्टिफिकेट, डिग्री और पीजी के तीन अलग-अलग कोर्सेस शुरू किए जा रहे हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 से आईईटी में इस बार कंप्यूटर विज्ञान बिजनेस सिस्टम विषय में 4 वर्षीय यूजी डिग्री के साथ ही 2 वर्षीय पीजी के लिए माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक को लेकर नए कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। साथ ही 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स एंबेडेड सिस्टम व इंटरनेट का थिंग्स शुरू करने जा रहा है।

अलग-अलग तरह के कोर्स शुरू करने के पीछे आईईटी की सोच तकनीक के अनुसार ही वर्तमान परिदृश्य को ध्यान में रखकर सभी जरूरतो को पूरा करने की है, ताकि समग्र शिक्षा में हमारे विद्यार्थी आने वाले चैलेंज को पूरा कर सके। आईईटी में पुराने कोर्स की सामग्री में बदलाव किए गए हैं। यह कोर्स नए शैक्षणिक सत्र में शुरू किए जाएंगे, जो विद्यार्थियों को नई संभावनाओं में अवसर प्रदान करेंगे। इन नए कोर्स के लिए यूनिवर्सिटी से अनुमति मिल चुकी है।

Common Management Admission Test (CMAT) 2024: Exam Pattern, Admission Process

The registration for the Common Management Admission Test (CMAT) will close tonight at 11.50pm. The application correction window will open on April 19 and close on April 21. The examination is scheduled to be held in May 2024. The release date for the examination city slip and admit card will be announced later.

The CMAT 2024 will be conducted in computer-based test (CBT) mode in English only. The exam serves as the gateway for admission to management courses at various colleges and institutes.

Eligibility- Applicants must hold a graduation degree in any discipline from a recognised university or institute to take the exam.

Age Limit- There are no age restrictions for applying to the CMAT 2024 examination.

Admission Process- After the CMAT 2024 exam, participating colleges in the admission process will publish cutoff lists. Candidates meeting the cutoff criteria will proceed to the Group Discussion & Interview round. Final selections will be based on candidates' performance in both the written exam and GD/Interview rounds.

Exam Pattern -The CMAT 2024 exam pattern comprises five sections, each with 20 questions: Quant & DI, Logical Reasoning, VARC, General Knowledge, and Innovation & Entrepreneurship.

-The exam will consist of 100 questions with a total of 100 marks and will be held for three hours.

-Students can access the subject-wise CMAT 2024 syllabus to understand the types of questions asked in the exam.

The CMAT 2024 result will be released by the National Testing Agency (NTA) on its official website after the conclusion of the examination.

गरीब और विकासशील देशों में अधिक चीनी वाले उत्पाद बेच रही नेस्ले

रिपोर्ट में सामने आया यह सच

नईदिल्ली, एजेंसी। नेस्ले गरीब देशों में बेचे जाने वाले शिशु दूध में चीनी की अधिक मात्रा मिलाता है, लेकिन यूरोप या ब्रिटेन के अपने मुख्य बाजारों में नहीं। नेस्ले के दो सबसे ज्यादा बिकने वाले बेबी फूड ब्रांड्स में चीन की अधिक मात्रा पाई गई है। जबकि यही उत्पाद ब्रिटेन, जर्मनी, स्विट्जरलैंड और अन्य विकसित देशों में बगैर चीनी के बेचे जा रहे हैं। पब्लिक आई की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है।

दुनिया की सबसे बड़ी उपभोक्ता उत्पाद कंपनी नेस्ले के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि वह दूध और बच्चों से जुड़े उत्पादों में मोटापे और गंभीर बीमारियों को रोकने के लिए जारी दिशानिर्देशों के विपरीत चीनी और शहद जैसी चीजें मिला रही है। नेस्ले की ओर से किया गया उल्लंघन कंपनी के एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों के उत्पादों में देखा गया है।

भारत में बिकने वाले नेस्ले के बेबी फुड प्रोडक्ट्स में चीनी की मात्रा कितनी

रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिकने वाले नेस्ले के बच्चों से जुड़े उत्पादों की हर सर्विंग में करीब 3 ग्राम चीनी पाई गई। चीनी की इस मात्रा के बारे में पैकेट पर कंपनी की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। नेस्ले की ओर से गरीब और विकासशील देशों में बेचे जा रहे उत्पादों में चीनी मिलाने का खुलासा तब हुआ जब स्विस जांच संगठन पब्लिक आई और आईबीएफएएन (इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क) ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में बेचे जाने वाले कंपनी के बेबी फूड उत्पादों के नमूने बेल्जियम की प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजे। पब्लिक आई की जांच रिपोर्ट से बुधवार को सार्वजनिक किया गया में कहा गया है कि जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन में नेस्ले द्वारा बेचे गए छह महीने के बच्चों के लिए सेरेलैक गेहूं आधारित अनाज में कोई अतिरिक्त चीनी नहीं मिली, जबकि उसी उत्पाद में इथियोपिया में प्रति सर्विंग 5 ग्राम और थाईलैंड में 6 ग्राम से अधिक चीनी मिली। जांच में सामने आए निष्कर्षों के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैज्ञानिक निगेल रोलिंस ने पब्लिक आई और आईबीएफएएन को बताया, यह नेस्ले की ओर से अपनाया गया एक दोहरा मानक है जिसे उचित नहीं ठहराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि तथ्य बताते हैं कि नेस्ले स्विट्जरलैंड में इन उत्पादों में चीनी नहीं मिलाता है, लेकिन कम संसाधन वाले देशों में वह ऐसा करके खुश है।

बच्चों के लिए क्यों नुकसानदेह है चीनी

रिपोर्ट के अनुसार डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि बच्चों के शुरुआती दिनों में चीनी के संपर्क में आने से उनमें शर्करा आधारित उत्पादों के लिए जीवन भर आकर्षित रहते हैं जिससे मोटापे और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। 2022 में, ङ्ख।ह्र ने शिशुओं के लिए खाद्य उत्पादों में चीनी मिलाने पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया था और उद्योगों से अपने उत्पादों में सुधार करने को कहा था।

नेस्ले इंडिया ने रिपोर्ट पर क्या प्रतिक्रिया दी

रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए नेस्ले इंडिया के प्रवक्ता ने मीडिया से कहा है कि पिछले 5 वर्षों में, नेस्ले इंडिया ने शिशु अनाज पोर्टफोलियो में अतिरिक्त चीनी की मात्रा को 30 प्रतिशत तक कम किया है ... । प्रवक्ता ने कहा, हम नियमित रूप से अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करते हैं और गुणवत्ता, सुरक्षा और स्वाद से समझौता किए बिना अतिरिक्त चीनी के स्तर को कम करने के लिए अपने उत्पादों में सुधार करना जारी रखते हैं।

UPSC Releases Cut-off Marks For Civil Services Exam 2023

The Union Public Service Commission (UPSC) on Thursday released the cut-off marks for the Civil Services Exam 2023 (CSE 2023). According to the notification, the CS (Final) cut-off for the general category stands at 953. For the EWS category, it is 923, OBC (919), SC (890), ST (891), PwBD-1 (894), PwBD-2 (930), PwBD-3 (756), and for PwBD-5 category candidates, it is 589.

In the CS (Prelim), the general category cut-off this time is 75.41, lower than 88.22 in 2022 and 87.54 in 2021. For the EWS category, it is 68.02, OBC (74.75), SC (59.25), ST (47.82), PwBD-1 (40.40), PwBD-2 (47.13), PwBD-3 (40.40), and PwBD-5 (33.68).

For the UPSC Mains exam, the general category cut-off is 741, lower than last year's 748 and 745 in 2021. For the EWS category, it is 706, OBC (712), SC (694), ST (692), PwBD-1 (673), PwBD-2 (718), PwBD-3 (396), and PwBD-5 (445).

The cut-off marks are based on GS Paper-I only. GS Paper-II is of qualifying nature with a minimum requirement of 33% marks as per Rule-15 of the Civil Services Examination, 2023. A minimum of 10% marks in each of the seven competitive papers, namely Essay, GS-I, GS-II, GS-III, GS-IV, Optional-I, and Optional-II, is required. In cases where two or more candidates have achieved the same aggregate marks in the CSE Exam, 2023, ties have been resolved according to principles approved by the Commission, as follows:

-The candidate with higher marks in the Compulsory Papers and the Personality Test combined is ranked higher.

-If the marks mentioned in (i) are equal, the candidate who is senior in age is ranked higher.

-Compulsory Papers include Essay, General Studies-I, General Studies-II, General Studies-III, and General Studies-IV.

The Commission announced the result of the Civil Services Examination (CSE) 2023 on Tuesday. A total of 1,016 candidates, comprising 664 men and 352 women, cleared the examination and have been recommended for appointment to various services. This year, Lucknow native Aditya Srivastava secured the first position, followed by Animesh Pradhan in second place, and Donuru Ananya Reddy in third. The status of 355 recommended candidates remains provisional.

अंबुजा सीमेंट में अदाणी परिवार का निवेश बढ़कर 20 हजार करोड़ हुआ

हिस्सेदारी 70.3 प्रतिशत पर पहुंची

नईदिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह की सीमेंट बनाने वाली कंपनी अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने अपने भविष्य से संबंधित बड़ा एलान किया है। कंपनी ने बताया है कि अदाणी परिवार ने कंपनी में अतिरिक्त 8,339 करोड़ रुपये के निवेश के साथ वारंट प्रोग्राम को पूरी तरह सब्सक्राइब कर लिया है। इससे कंपनी में अदाणी परिवार का कुल निवेश बढ़ककर 20,000 करोड़ हो गया है।

ताजा निवेश से अदाणी परिवार की अंबूजा सीमेंट्स में हिस्सेदारी बढ़कर 70.3 प्रतिशत हो गई। इससे पहले अदाणी परिवार ने शेयरों की हिस्सेदारी के बदले अंबुजा सीमेंट्स में 18 अक्तूबर 2022 को 5,000 करोड़ रुपये और 28 मार्च 2024 को 6,661 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

कंपनी ने बताया है कि अंबूजा सीमेंट्स में अदाणी परिवार की ओर से किया गया यह हालिया निवेश 2028 तक कंपनी की सालाना उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 140 मिलियन डॉलर करने में अहम साबित होगा। अंबुजा सीमेंट्स के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ अजय ने कहा कि अदाणी परिवार की ओर से किए गए निवेश पर कहा कि इसकी घोषणा करते हुए हम रोमांचित महसूस कर रहे हैं।

यह पूंजी निवेश कंपनी को तेजी से विकसित होने के लिए पूंजीगत रूप से लचीला बनाएगा। इससे कंपनी के पूंजीगत प्रबंधन से जुड़े पहलों को लागू करने में आसानी होगी साथ ही कंपनी का बैलेंसशीट मजबूत होगा। अदाणी परिवार और अंबुजा सीमेंट्स के बीच इस लेनदेन में बार्कलेज बैंक पीएलसी, एमयूएफजी बैंक, मिजूहो बैंक और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने सलाहकार की भूमिका निभाई।

इंदौर पुलिस की साइबर अवेयरनेस की क्लास में, SICA Senior Secondary school-II के बच्चों ने साइबर क्राइम से बचने का लिया प्रैक्टिकली ज्ञान

इंदौर। इंदौर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में दिनांक 18.04.24 को अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम इंदौर, पुलिस टीम के साथ SICA Senior Secondary school- II विजय नगर इंदौर में पहुंचकर स्टूडेंटस को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया।

सायबर अवेयरनेस के तहत 54 नं. विजय नगर स्थित सिक्का सीनियर सेकेंडरी स्कूल-2 में आयोजित कार्यक्रम में एडीशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने, अपनी 215 वीं कार्यशाला में करीब 550 स्टूडेंट्स को वर्तमान समय के साइबर अपराधों के प्रकारों और इनसे बचने के तरीकों को बताते हुए, उन्हें पुलिस के पास आने वाली साइबर अपराधों की शिकायतों की केस स्टडी के आधार पर, विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड- ओटीपी फ्रॉड, फर्जी लिंक भेज कर किए जाने वाले फ्रॉड, ओएलएक्स या ई-कॉमर्स वेबसाइट द्वारा किए जाने वाले फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन फ्रॉड और सोशल मीडिया द्वारा की जाने वाली साइबर बुलिंग, फिशिंग आदि साइबर अपराधों आदि की जानकारी देते हुए कहा कि वर्चुअल वर्ल्ड में प्रत्येक

गतिविधि में पूर्ण सतर्कता और सावधानी रखना ही इन अपराधों से सबसे बड़ा बचाव हैं। अतः सबसे जरूरी रूल यह बनाएं कि, हम अपनी निजी जानकारी किसी से भी शेयर नहीं करें , फर्जी या अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ऑनलाइन गेम खेलने के दौरान भी पूरी सावधानी रखें और कुछ भी संदिग्ध लगे तो अपने बड़ों को बता कर ही उनसे मार्गदर्शन प्राप्त करें।

इस दौरान छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ ने भी उनके या उनके परिजनों आदि के साथ हुई विभिन्न घटनाओं के बारे में साइबर क्राइम की तकनीकी जानकारी के बारे में विभिन्न प्रश्न किए, जिनका एडिशनल डीसीपी ने बड़े ही रोचक तरीके से प्रैक्टिकली अनुभवों और टेक्निकल टिप्स को बताकर उनकी जिज्ञासाओं का शमन किया। इस अवसर पर स्टूडेंट्स सहित संस्थान के स्टाफ ने भी साइबर सुरक्षा संबंधी बारिकियों को समझा और इंदौर पुलिस के इस अभियान की जमकर सराहना की।

इंदौर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के इस अभियान के तहत, यदि कोई स्कूल/कॉलेज, संस्थान, इकाई, कॉलोनी आदि में भी साइबर अवेयरनेस की कार्यशाला आयोजित करना चाहता है या कोई जानकारी चाहता है तो वह इंदौर पुलिस के नंबर 7049108197 पर संपर्क कर सकता है।

सेहत के लिहाज से काफी फायदेमंद है नारियल पानी

नारियल पानी अधिकतर लोगों को पसंद आता है। लेकिन ये सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद है। दरअसल, इसमें शरीर के लिए फायदेमंद कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट पाए जाते हैं। जो आपको कई सेहत लाभ देते है। तो आइए जानते हैं नारियल पानी से क्या-क्या फायदे मिलते हैं.

- नारियल पानी का सेवन लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। नारियल पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। जो लिवर में कई तरह के विषाक्त पदार्थों की गतिविधि को कम करते हैं। इसका सेवन करना लिवर के लिए काफी लाभकारी होता है।
- पेट के लिए नारियल पानी बेहद फायदेमंद है। इसके सेवन से पेट दर्द, एसिडिटी, अल्सर में थोड़ा-थोड़ा नारियल पानी पीने से आराम मिलता है।
- ऊर्जावान रहने के लिए नारियल पानी काफी अच्छा होता है। इसके सेवन से कमजोरी, थकान, चक्कर आने जैसी समस्याओं में इसको पीने से तत्काल लाभ प्राप्त होता है।
- नारियल पानी हृदय रोग का जोखिम कम करने का काम करता है। इसके सेवन से खराब कोलेस्ट्रॉल कम होता है।
- वजन कम करना चाहते है, तो नारियल पानी आपकी बहुत मदद करेगा। यह कैलोरी में कम और पचाने में आसान होता है। इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो वजन और मोटापा कम करने में मददगार हैं।
- त्वचा में ग्लो और स्किन बिलकुल क्लिन रखना चाहते है तो नारियल पानी आपको नियमित रूप से पीना चाहिए। यदि चेहरे पर मुहांसे और दाग धब्बों की समस्या बढ़ गई है ,तो नारियल पानी का सेवन आपकी सारी समस्या को दूर करेगा।

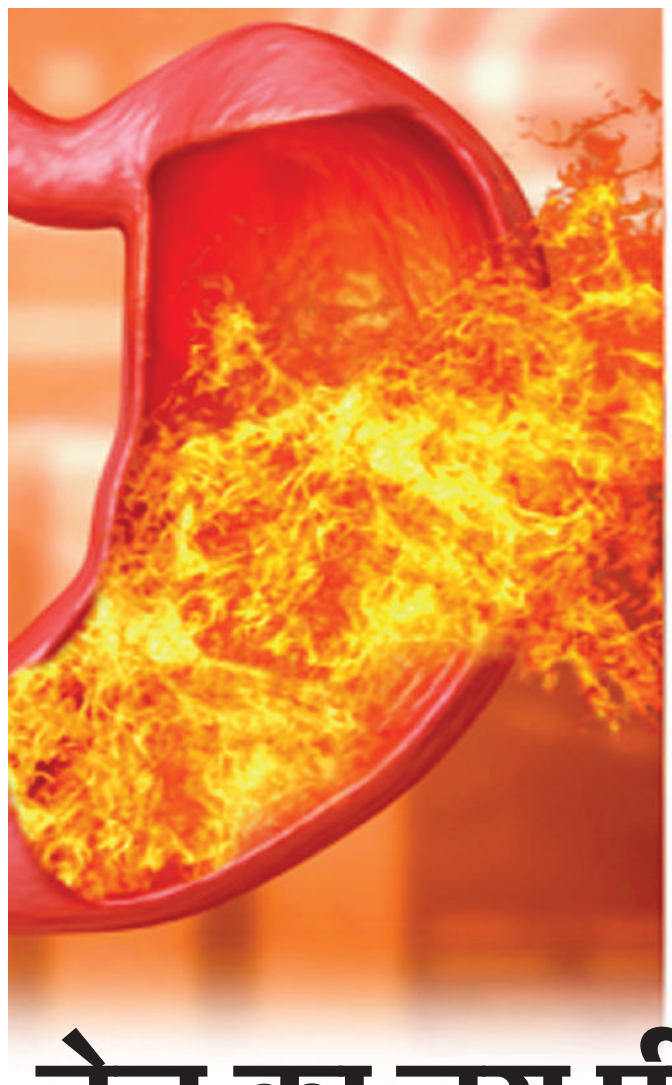

बेल का जूस पीने से सुराही जैसा ठंडा रहेगा पेट

गर्मी में बेल का रस जरूर पीना चाहिए। ये समर ड्रिंक शरीर को चिलचिलाती धूप से बचाने और हाइड्रेट करने का काम करती है। आइए इस फल का शरबत पीने के फायदे जानते हैं।

गर्मी में चिलचिलाती धूप से बचना बहुत जरूरी है। यह शरीर में पानी की कमी, कब्ज, पेट में जलन, सीने में जलन जैसी दिक्कतें कर सकती है। इन समस्याओं को दूर रखने के लिए गर्मी में बेल का जूस पीना चाहिए। यह समर ड्रिंक बेहद हेल्दी होती है। बेल फरूट को बिल्व भी कहा जाता है, जो मूल रूप से भारत में पैदा होता है। यह फल पेट की गर्मी दूर करने का रामबाण इलाज है। आप इसका शरबत पीकर पेट को ठंडक दे सकते हैं। आयुर्वेद एक्सपर्ट डॉ. अबरार मुल्तानी ने बेल शरबत के फायदों के बारे में बताया है। बेल फल काफी पौष्टिक होता है। इसमें प्रोटीन, पानी, फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम, विटामिन बी1, विटामिन बी2, विटामिन सी की अच्छी मात्रा मिल जाती है। इसका गूदा पेट और पाचन के लिए बेहतरीन माना जाता है।

गर्मी की बेस्ट ड्रिंक

डॉ. बेल जूस के बेनिफिट बताते हुए इसे गर्मी के लिए बेस्ट ड्रिंक कहते हैं। इसके रस में ठंडा, ताजगी, पोषण, लैक्सेटिव आदि गुण होते हैं। जो इसे धूप के मौसम के लिए टॉनिक बनाते हैं।

खुल जाएंगी आंतें

पाचन खराब होने पर आंतों का संकुचन कम हो जाता है, जो कि कब्ज बनाता है। गर्मी में डिहाइड्रेशन इस समस्या को गंभीर बना सकती है। मगर बिल्व रस पानी की पूर्ति करके आंतों को रिलैक्स करता है और संकुचन सामान्य करने में मदद करता है।

हड्डियों की मजबूती बढ़ाता है

पेट के अलावा बेल फल का जूस हड्डियों के लिए फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम का लेवल शारीरिक ढांचें को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। यह ड्रिंक तुरंत एनर्जी देने के लिए भी जानी जाती है।

बढ़ जाएगा खून

बेल के जूस में विटामिन बी2 होता है, जो शारीरिक विकास में मदद करता है। ये पौष्टिक गुण रेड ब्लड सेल्स के उत्पादन में मददगार होता है। जिससे खून की कमी दूर होती है।

गर्मी में रामबाण है बेल का शर्बत

गर्मी के दुष्प्रभाव और सेहत की हर समस्या के लिए बेल का प्रयोग रामबाण है। यह न केवल शरीर में ठंडक पैदा करेगा बल्कि आपको सेहत से जुड़े ऐसे लाभ देगा, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। गर्मियों में रामबाण है बेल और उसका शर्बत। जानें 7 फायदे -

- गर्मी के दिनों में लू लगने का डर सबसे ज्यादा होता है। बेल का शर्बत बनाकर पीने से लू का खतरा नहीं होता और लू लग जाने पर यह दवा के रूप में कार्य करता है। तपते शरीर की गर्मी दूर करने में यह बेहद लाभकारी है।
- शरीर में गर्मी अधिक बढ़ जाने पर आंव- दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए प्रतिदिन आधे कच्चे-पक्के बेलफल का सेवन करें या फिर बेल के शर्बत का सेवन करें। यह डायरिया रोग में काफी लाभप्रद है।
- कई मर्तबा गर्मियों में आंखें लाल-लाल होने के साथ ही जलने लगती हैं। ऐसी स्थिति में बेल के पत्तों का रस एक-एक बूंद आंख में डालने से तुरंत लाभ होता है और इसका कोई नुकसान नहीं होता। इसे बात का ध्यान रखें कि रस में कचरा न हो। आंख के दर्द में बेल के पत्तों की लुगदी आंख पर बांधने से काफी आराम मिलता है।
- पाचन संबंधी समस्याओं में पके हुए बेलफल का सेवन लाभदायक होता है। इसका शर्बत पीने से पेट साफ रहता है। यह फल पाचक होने के साथ-साथ बलवर्द्धक है। इसके सेवन से वात-कफ संबंधी समस्याएं भी समाप्त हो जाती हैं। गर्मियों में गर्भवती स्त्रियों का जी मिचलाने लगे तो बेल और सौंठ का काढ़ा दो चम्मच पिलाने पर लाभ होता है।
- बेल का मुरब्बा शरीर की शक्ति बढ़ाता है और कमजोरी दूर करता है। यह पेट संबंधी समस्याओं में तो फायदेमंद है ही, बेल के गूदे को खांड के साथ खाने से आंत संबंधी रोग में राहत मिलती है।
- बच्चों के पेट में कीड़े होने पर तो इसके पत्तों का अर्क पिलाना कारगर उपाय है। छोटे बच्चों को प्रतिदिन एक चम्मच पका बेल खिलाने से शरीर की हड्डियां मजबूत होती हैं।
- बेल के पके फल को शहद व मिश्री के साथ चाटने से शरीर के खून का रंग साफ होता है और खून में भी वृद्धि होती है। वहीं इसके गूदे में काली मिर्च, सेंधा नमक मिलाकर खाने से आवाज भी सुरीली होती है।

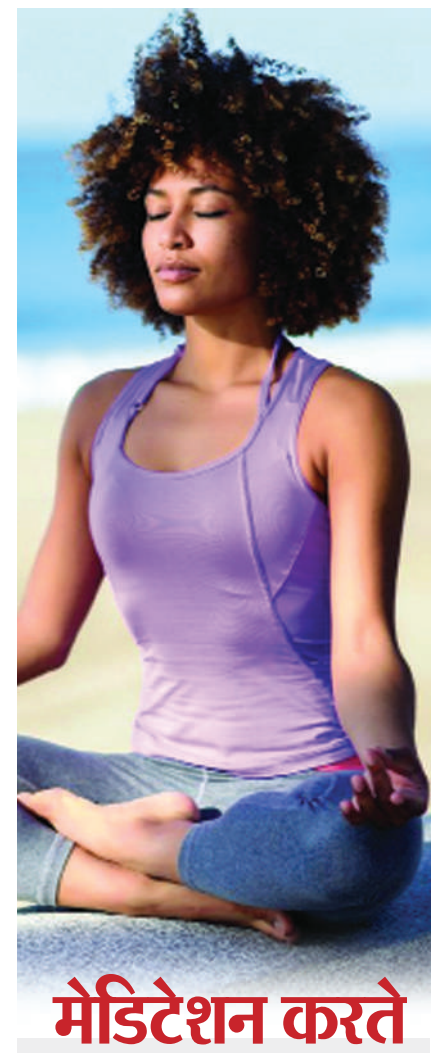

मेडिटेशन करते समय आती है नींद? ऐसे पाएं छुटकारा

सेहत के लिए मेडिटेशन के फायदे हम सभी अच्छे से जानते हैं। ऐसे में कई लोग ऐसे हैं जो सालों से इसे कर रहे हैं वहीं कुछ ऐसे हें जो अपने इस साल के वादे को पूरा करने के लिए हाल ही में मेडिटेशन करना शुरू कर रहे हैं। जो हाल ही में मेडिटेशन की ओर कदम बढ़ा रहे हैं उन लोगों को एक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अक्सर लोगों की शिकायत रहती है कि ध्यान लगाते समय उन्हें नींद आती है। ऐसे में जानते हैं इसकी वजह और कैसे पाएं इससे छुटकारा।

मेडिटेशन आपके दिमाग को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है। यह आपकी याददाश्त में सुधार करने, तनाव को कम करने में मदद करता है। कई लोगों की शिकायत होती है कि उन्हें मेडिटेशन के दौरान नींद आती है। ऐसा मेडिटेशन के कारण बिल्कुल नहीं होता बल्कि नींद की कमी के कारण ऐसा होता है। नींद की कमी, पोषक तत्वों की कमी और तनाव ऐसे प्रमुख कारण हैं जिनकी वजह से आपको हर समय नींद आती है। ऐसे में आपको एक्टिव रहने के लिए काम करना चाहिए, ऐसे में सबसे ज्यादा जरूरी है सही लाइफस्टाइल और एक अच्छा मेडिटेशन सेशन करना चाहिए, जिससे आप नींद को खत्म कर सकें।

खाने से पहले ध्यान करें

मेडिटेशन में पूरे शरीर को एक बिंदु पर ध्यान केंद्रित करना और खुद के साथ एक आध्यात्मिक संबंध बनान होता है। अगर आप खाने के ठीक बाद ध्यान करना शुरू करते हैं, तो आपको बहुत नींद आएगी क्योंकि आपका शरीर खाना और अन्य जटिल प्रक्रियाओं को पचाने में शामिल होगा और यह आपको विचलित करेगा। खाना खाने से पहले ध्यान करना अधिक फायदेमंद होगा क्योंकि आपका शरीर बिना विचलित हुए इसे पूरा करेगा।

जागरूक और एक्टिव रहें

ध्यान करते समय सचेत और एक्टिव रहना जरूरी है, आपको यह महसूस करना चाहिए कि आपके अंदर कुछ अच्छा हो रहा है। आप इन चीजों पर ध्यान लगाने के लिए सांस की एक्सरसाइज और कुछ शांत म्यूजिक बजा सकते हैं।

अपने ब्रेन को तैयार करें

मेडिटेशन प्रेक्टिस करना एक अच्छा कदम है। लेकिन बहुत लंबे मेडिटेशन सेशन से बचना बेहतर है क्योंकि शुरू में वे आपको नींद में डाल देंगे। आपको अपने दिमाग को इस तरह से प्रशिक्षित करना शुरू करना होगा कि आपका ध्यान अटूट रहे जो केवल 5 मिनट या 10 मिनट के छोटे सत्रों के साथ शुरू करने के बाद ही संभव होगा और फिर धीरे-धीरे लंबे समय तक आगे बढ़ें। जब आप छोटे सत्रों के लिए जागेंगे तो आपका दिमाग अपने आप काम करना शुरू कर देगा और ध्यान करते समय आपको नींद नहीं आएगी।

ओपन एरिया में करें ध्यान

खुले में ध्यान करना हमेशा बेहतर होता है क्योंकि आपका शरीर नेचर के साथ एक्टिव रिलेशन महसूस कर सकता है। इसके अलावा, आपके चारों ओर ठंडी हवा, पक्षियों की हल्की आवाज के साथ आपके मन को शांत करता है और ध्यान करते समय आपको एक्टिव महसूस करने के लिए मदद मिलती है।

किसी भी रूप में फायदेमंद है मूंग दाल का सेवन

दालें प्रोटीन से भरपूर होती हैं। वैसे तो हर दाल पोषक तत्वों से भरपूर होती है लेकिन फिर भी अगर आपको प्रोटीन की मात्रा से के साथ कुछ परेशानियों को जड़ से खत्म करना है, तो आप अपनी डाइट में मूंग दाल जरूर जोड़ें। किसी भी रूप में मूंग दाल के सेवन के कई फायदे हैं।

दाल के पोषक तत्व

- दालों में सबसे पौष्टिक दाल, मूंग की होती है, इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई की भरपूर मात्रा होती है। साथ ही पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम की मात्रा भी मूंग में बहुत होती है। इसके सेवन से शरीर में कैलोरी भी बहुत नहीं बढ़ती है। अगर अंकुरित मूंग दाल खाएं तो शरीर में कुल 30 कैलोरी और 1 ग्राम फैट ही पहुंचता है।
- अंकुरित मूंग दाल में मैग्नीशियम, कॉपर, फोलेट, राइबोफ्लेविन, विटामिन, विटामिन सी, फाइबर, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, विटामिन बी -6, नियासिन, थायमिन और प्रोटीन होता है।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ग्लूकोज लेवल बहुत कम होता है इस वजह से मधुमेह रोगी इसे खा सकते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ओलियोसाच्चाराइडस होता है जो पॉलीफिनॉल्स से आता है। ये दोनों की घटक, गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रबल करते हैं। कैंसर के रोगी भी इसका सेवन आराम से कर सकते हैं।
- मूंग की दाल में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा देते हैं और उसे बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। इसमें एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफलामेट्री गुण होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाते हैं।

- मूंग की दाल के स्प्राउट में शरीर के टॉक्सिक को निकालने के गुण होते हैं। इसके सेवन से शरीर में विषाक्त तत्वों में कमी आती है।

ऐसे बनाएं हेल्दी मूंग दाल का चीला

रात को मूंग दाल को एक पैन में पानी डालकर रख दें। इसके बाद सुबह इसे छान कर ग्राइंडर में पीस लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर अच्छी तरह से मिला लें। अब तवा को गर्म करें। गर्म हो जाने में थोड़ा सा तेल डालकर मूंग दाल के पेस्ट को डालकर अच्छी तरह से फैला लें। इसके बाद इसमें सभी सब्जियां और पनीर डाल दें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा घी डालकर दूसरी तरफ भी सेंक लें। इसके बाद इसे प्लेट में निकाल लें। आपका मूंग दाल का चीला बनकर तैयार हैं। इसे हरी या लाल चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात के खिलाफ मैच के दौरान कुलदीप ने खोया आपा

साथी खिलाड़ी पर चिल्लाए

अहमदाबाद, एजेंसी। इस मैच में दिल्ली के गेंदबाजों ने घातक प्रदर्शन किया और 89 रन के स्कोर पर गुजरात को ऑलआउट कर दिया। इसके जवाब में दिल्ली ने 67 गेंदों के शेष रहते हुए छह विकेट से लक्ष्य हासिल कर लिया। गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए लो स्कोरिंग मैच में दिल्ली ने जीत दर्ज की। दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात टाइटंस को छह विकेट से करारी शिकस्त देकर अंक तालिका में छठा स्थान हासिल कर लिया। वहीं, गुजरात की टीम सातवें स्थान पर पहुंच

गई है। मैच के दौरान हालांकि दिल्ली के चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव अपना आपा खो बैठे और साथी खिलाड़ी मुकेश कुमार पर चिल्लाते नजर आए। हालांकि टीम के कप्तान ऋषभ पंत इस दौरान कुलदीप को शांत कराते नजर आए। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दिल्ली के गेंदबाजों ने किया शानदार प्रदर्शन- इस मैच में दिल्ली के गेंदबाजों ने घातक प्रदर्शन किया और 89 रन के स्कोर पर गुजरात को ऑलआउट कर दिया। इसके जवाब में दिल्ली ने 67 गेंदों के शेष रहते हुए छह विकेट से लक्ष्य हासिल कर लिया। गुजरात के बल्लेबाज दिल्ली के खिलाफ संघर्ष करते नजर आए और नंबर आठ पर उतरे राशिद खान के अलावा कोई भी बल्लेबाज 15 रन का आंकड़ा भी नहीं छू पाया। दिल्ली के लिए मुकेश कुमार ने तीन विकेट चटकाए। वहीं, ईशांत शर्मा और ट्रिस्टन स्टब्स ने दो-दो विकेट लिए, जबकि खलील अहमद और अक्षर पटेल को एक-एक विकेट मिला। मैच के एक दौरान जब कुलदीप गेंदबाजी कर रहे थे तब उनके ओवर में मुकेश ने उनकी तरफ थ्रो फेंका, जिस पर कुलदीप गुस्सा हुए और कहने लगे, पागल वागल है क्या।

टी20 विश्व कप में ऋषभ पंत को भारत का

विकेटकीपर-बल्लेबाज होना चाहिए: ब्रॉड

नईदिल्ली, एजेंसी। 2024 टी20 विश्व कप टीम के लिए टीमों का ऐलान होने की आखिरी तारीख से पहले इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के दौरान अच्छा प्रदर्शन कर रहे कई युवा और सीनियर भारतीय खिलाड़ियों के नाम चर्चा का विषय बने हुए हैं. उनमें से एक है विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं. दिसंबर 2022 में एक घातक कार दुर्घटना के बाद 14 महीने तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ने इस साल

आईपीएल में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की. पंत ने डीसी के पहले छह मैचों में 157.72 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 194 रन बनाए जिसमें दो अर्धशतक बनाए हैं. पंत के प्रदर्शन को देखते हुए इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि जब टीम जून में टी20 विश्व कप में वापसी करेगी तो पंत को भारत का विकेटकीपर-बल्लेबाज होना चाहिए. ब्रॉड ने कहा कि सीज़न शुरू होने पर उन्हें पंत की फिटनेस पर संदेह था, लेकिन कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच के दौरान बल्लेबाज के एक स्पेशल शॉट को देखने के बाद ये खत्म हो गया. ब्रॉड ने बताया, भारतीय टीम के चयन को लेकर थोड़ा विवाद है. उस टीम में आपके कुछ खिलाड़ी लंबित हैं। शायद ऋषभ पंत ही वो शख्स हैं जिनके बारे में काफी चर्चा हो रही है. एक शॉट था जिसे मैंने केकेआर के खिलाफ खेलते हुए देखा था, डीप स्क्वायर लेग पर छह रन के लिए एक नो-लुक फ्लिक. जिस क्षण उसने वह शॉट खेला, मैंने सोचा, उसे उस टी20 विश्व कप टीम में होना चाहिए. वह तैयार है. वह जाने के लिए अच्छा है. हालांकि, ब्रॉड ने पंत के अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उनके कार्यभार को प्रबंधित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया. इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि डीसी कुछ मैचों में पंत को बल्लेबाज के रूप में इस्तेमाल कर सकता है; सीज़न की शुरुआत में, लखनऊ सुपर जाइंट्स ने अपने कप्तान केएल राहुल को एक इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल किया था, जिसमें निकोलस पूरन टीम का नेतृत्व कर रहे थे. उन्होंने कहा, उसने बहुत बड़ी रकम ली है, वह इतने लंबे समय तक खेल से बाहर रहा है। वह कप्तान है, वह विकेटकीपर है, वह 3, 4, 5 बल्लेबाजी कर रहा है. उसकी प्लेट पर पहले से ही एक बड़ी रकम मौजूद है. ब्रॉड ने कहा, मैं उन्हें कुछ मैचों में इम्पैक्ट सब बनते देखना चाहता हूं, उनके कंधों से थोड़ा काम का बोझ कम करना चाहता हूं।

मैं किसी से नहीं मिला: रोहित शर्मा

टी-20 वर्ल्ड कप: रोहित शर्मा ने खारिज की टीम चयन को लेकर बैठक की खबरें

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई थी कि कुछ दिनों पहले टी20 विश्व कप की टीम के चयन को लेकर भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़, मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा ने एक मीटिंग की थी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के साथ टी20 विश्व कप के रोडमैप को लेकर चल रही खबरों को खारिज कर दिया है। हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई थी कि कुछ दिनों पहले टी20 विश्व कप की टीम के चयन को लेकर भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़, मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा ने एक मीटिंग की थी। टी20 विश्व कप का आयोजन आईपीएल 2024 सीजन के बाद जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होना है।

दो मुख्य मुद्दों को लेकर हुई थी चर्चा

मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि रोहित, अगरकर और द्रविड़ के बीच बैठक के दौरान दो मुख्य मुद्दों को लेकर चर्चा हुई थी। पहली यह कि हार्दिक पांड्या को टी20 विश्व कप टीम में जगह पुख्ता करने के लिए आईपीएल में अधिक गेंदबाजी करनी होगी। वहीं, विराट कोहली को रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग के तौर पर उतारने को लेकर भी चर्चा की गई थी। इन रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि चयनकर्ता रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली को ओपनिंग कराने पर भी विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति कोहली को बतौर ओपनर टीम में शामिल करना चाहती है। इसको लेकर मीटिंग में काफी देर तक चर्चा हुई।

रोहित ने इन रिपोर्ट्स को बताया फेक न्यूज

रोहित शर्मा ने हालांकि ऐसी किसी भी बैठक से इनकार किया है और उन्होंने इन रिपोर्ट्स को फेक न्यूज करार दिया है। रोहित ने बताया कि उनकी किसी से भी मुलाकात नहीं हुई है। रोहित ने साथ ही फैंस को तब तक ऐसी किसी खबर से बचने के लिए कहा जब तक कि इस बारे में वे उनसे, अगरकर या बीसीसीआई से कोई आधिकारिक बयान ना सुन लें। रोहित ने माइकल वॉन और एडम गिलक्रिस्ट के साथ एक पॉडकास्ट में कहा, मैं किसी से भी नहीं मिला। अजित अगरकर दुबई में कहीं हैं और गोल्फ खेल रहे हैं। द्रविड़ बेंगलुरु में अपने बच्चों को खेलते हुए देख रहे हैं। द्रविड़ मुंबई आए थे, लेकिन वह बस अपने बेटे को सीसीआई में लाल मिट्टी की विकेट पर खिलाने लाए थे।

कोहली और हार्दिक पर रखी जा रही है निगरानी

आशा की जा रही है कि बीसीसीआई कुछ ही सप्ताह में टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित करेगा। खिलाड़ियों के लिए इस लिहाज से सभी आईपीएल मुकाबले काफी महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं और इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल होने के कई दावेदार हैं। एक महीने पहले तक कोहली के 15 सदस्यीय टीम में शामिल होने को लेकर भी सवाल उठ रहे थे।

कोहली को लेकर लंबे समय से चल रहा है संशय

टी20 विश्व कप के लिए टीम में कोहली के स्थान को लेकर पिछले काफी समय से चर्चा हो रही है। आईपीएल शुरू होने से पहले कुछ रिपोर्ट्स में यह बात भी सामने आई थी कि अगरकर उन्हें टीम से बाहर करने पर विचार कर रहे हैं और उन्हें किसी युवा खिलाड़ी के लिए अपना स्थान खाली करने को बोल रहे हैं। हालांकि, अब जब विराट मौजूदा आईपीएल में ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं तो चयनकर्ताओं का मन बदला है और वह विराट को नए रोल में टीम में शामिल करने पर विचार कर रहे हैं।

चामरी अट्टापट्टू ने बेहतरीन पारी खेल श्रीलंका को दिलाई ऐतिहासिक जीत

टूटे कई रिकॉर्ड

पोचेफस्ट्रूम, एजेंसी। श्रीलंका की महिला टीम की कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में 195 रनों की रिकॉर्ड पारी खेल टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। चामरी की इस रिकॉर्ड पारी की मदद से श्रीलंका ने महिला वनडे इतिहास का सबसे सफल रन रेज किया। चामरी की पारी के दम पर श्रीलंका ने दक्षिण अफ्रीका को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर की।

महिला वनडे में 300 से ज्यादा का लक्ष्य चेज करने वाली पहली टीम बनी श्रीलंका- श्रीलंका की टीम महिला वनडे क्रिकेट के इतिहास में 300 से अधिक रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल करने वाली पहली टीम बन गई है। उसने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया का 12 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा जिसने 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 289 रनों का लक्ष्य प्राप्त किया था। इससे पहले महिला वनडे क्रिकेट में सबसे सफल लक्ष्य प्राप्त का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम ही था।

इसके अलावा चेज करते हुए श्रीलंका का चार विकेट पर 305 रनों का स्कोर संयुक्त रूप में महिला क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले 2017 विश्व कप के दौरान इंग्लैंड द्वारा दिए गए 374 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने नौ विकेट पर 305 रन बनाए थे।

धोनी अगले साल का आईपीएल भी खेल सकते हैं

कमेंटरी के दौरान एंकर के सवाल पर रैना ने किया दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। सुरेश रैना धोनी के साथ टीम इंडिया और आईपीएल में चेन्नई के लिए खेल चुके हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी अगले आईपीएल में भी खेल सकते हैं। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने जियो सिनेमा के एक कार्यक्रम में यह दावा किया है। 14 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ धोनी ने वानखेड़े स्टेडियम तीन छक्के लगाए थे। इस मैच के बाद हुए डिस्कशन प्रोग्राम में एंकर ने धोनी के आगे खेलने पर सवाल किया था। एंकर ने सबसे पहले सवाल कार्यक्रम में मौजूद पूर्व फास्ट बॉलर आरपी सिंह से यह सवाल किया था। इस पर सिंह ने कहा- इसका बेहतर जवाब रैना दे पाएंगे। धोनी और रैना आईपीएल में भी चेन्नई के लिए एक साथ खेल चुके हैं।

धोनी की रिटायरमेंट को लेकर 2023 से अटकलें- धोनी 42 साल के हो गए हैं। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से साल 2020 में 15 अगस्त को संन्यास ले चुके हैं। उनके रिटायरमेंट की अटकलें 2023 से ही लगाई जा रही है। ऐसा माना जा रहा था कि साल 2023 धोनी का आखिरी साल होगा, पर उन्होंने उन्होंने लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मैच के दौरान टॉस के बाद कमेंटेटर डैनी मॉरिसन ने धोनी से सवाल किया कि आप अपने आखिरी सीजन का आनंद ले रहे हैं? धोनी ने इसका जवाब देते हुए कहा, कि आपने फैसला किया है कि यह मेरा आखिरी आईपीएल है। इसके बाद धोनी हंसने लगे। मॉरिसन ने कहा कि धोनी अगले साल भी खेलते नजर आएंगे।

दिलीप बारगल स्मृति इंदौर जिला मिनी सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा विजेता, कर्णिक पुरस्कार के हकदार भी

इंदौर। 20 अप्रैल से होनेवाली 14वीं केप्टन दिलीप बारगल स्मृति इंदौर जिला मिनी -सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा के 11, 13 और 15 वर्ष बालक और बालिका एकल विजेता खिलाड़ी कर्णिक पुरस्कार के हकदार होंगे। कर्णिक स्मृति समिति इंदौर के सचिव धर्मेश यशलहा ने बताया कि इस स्पर्धा के एकल विजेता खिलाड़ियों को वर्ष 2025 में कर्णिक पुरस्कार मिलेगा। कर्णिक पुरस्कार में प्रति वर्ष नकद सम्मान राशि प्रदान की जाती है। स्पर्धा सचिव अनिल बारगल ने बताया कि इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन तहत मल्हार क्रीड़ा मंडल ने यह स्पर्धा 20 से 23 अप्रैल तक मल्हार क्रीड़ा मंडल, उषा नगर एक्सटेंशन में आयोजित की है। स्पर्धा के लिए प्रविष्टियां 19 अप्रैल को शाम 5 बजे तक तक दी जा सकती है।

वुमन सेंट्रिक फिल्मों का है यह दौर

पिछले 18 साल से प्राची देसाई फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। वे महज 17 साल की थीं, जब उन्होंने अपना पहला टीवी सीरियल 'कसम से' में काम किया था। अब प्राची अपनी नई फिल्म साइलेंस 2 को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में प्राची ने इंस्पेक्टर संजना भाटिया का किरदार निभाया है। ये फिल्म हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई है।

वे कहती हैं मैं हमेशा से ही ऐसी फिल्मों को पसंद करती आई हूं, जो सिनेमा की दुनिया में किसी तरह के बदलाव को लेकर आती हैं। इंग्लिश विंग्लिश मेरी एक पसंदीदा फिल्म है। ठीक उसी तरह से कहानी, जिसमें विद्या बालन ने काम किया था। हाल के समय में दर्शक उस स्पेस में हैं, जहां पर वह उन चीजों को देख पाते हैं जिन्हें वह देखना चाहते हैं। मेरे ख्याल से यह वुमन सेंट्रिक फिल्मों के लिए सही समय है। मेरे ख्याल से दर्शक अब खुलकर सामने आ रहे हैं कि उन्हें क्या पसंद है और हमें उन चीजों पर ध्यान देने की जरूरत है। भले आपको लगता है कि बहुत सारी ऐसी फिल्में हैं, लेकिन सच कहा जाए तो इतनी भी ज्यादा नहीं हैं। मैं चाहती हूं कि ऐसी फिल्मों को और बनाया जाना चाहिए। ओटीटी के आने के बाद बहुत सारे लोगों को मौके मिल रहे हैं कंटेंट की क्वालिटी के मामले में हमें एक लंबा रास्ता तय करना है। लेकिन मैं बेहद खुश हूं कि सिल्वर स्क्रीन के साथ हमारे पास ओटीटी जैसा प्लेटफॉर्म है। तो यह उन सभी लोगों के लिए अच्छी बात है, जो अपनी कहानियां बताने का इंतजार कर रहे थे। ओटीटी का नेचर इतना अच्छा है कि आप इसे अपने घर पर अपने कंफर्ट में रहकर

देखते हैं और इसी वजह से आप जो भी देखते हैं वह काफी एंगेजिंग लगता है। इस वजह से मुझे लगता है कि इस तरह के थ्रिलर और इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा अब बहुत सारे बन पा रहे हैं।

प्रेग्नेंसी की फेक खबरों से नुकसान हुआ, मैं कई प्रोजेक्ट्स से हाथ धो बैठी

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी फिल्म अमर सिंह चमकीला के चलते सुर्खियों में हैं। सिंगर अमर सिंह चमकीला की बायोपिक में दिलजीत दोसांझ के साथ परिणीति चोपड़ा ने भी लीड किरदार निभाया है। 12 अप्रैल 2024 को रिलीज हुई फिल्म में उन्होंने चमकीला की पत्नी अमरजोत कौर का रोल प्ले किया है।

प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ने से नुकसान हुआ

परिणीति ने कहा, जब मैंने फिल्म चमकीला साइन की तो इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों ने मुझे चेताया कि अगर मैंने रोल के लिए वजन बढ़ा लिया तो मेरा करियर खत्म हो सकता है। मैंने विद्या बालन से इंस्पिरेशन ली जिन्होंने द डर्टी पिक्चर के लिए वजन बढ़ाया था। इम्तियाज सर ने मुझे 15 किलो वजन बढ़ाने के लिए कहा था और ये भी बताया था कि मेरे चेहरे पर कोई मेकअप नहीं होगा। मुझे चमकीला में अपने सबसे खराब लुक में दिखना था और मैंने इम्तियाज सर से कहा-मैं कर लूंगी। मैं पिछले दो साल से चमकीला की शूटिंग कर रही थी और इस दौरान मैं कई प्रोजेक्ट्स से हाथ धो बैठी। मैं खराब दिख रही थी और इसी दौरान मेरी प्रेग्नेंसी और प्लास्टिक सर्जरी की भी अफवाहें उड़ीं।

रेड कारपेट से बना ली थी दूरी

परिणीति ने इंटरव्यू में ये खुलासा किया कि बढ़े वजन के कारण उन्होंने पब्लिक अपीयरेंस कम कर दिए थे। परिणीति बोलीं-मैं रेड कारपेट इवेंट्स में जाने से बच रही थी। फैशन दूर की बात थी क्योंकि मैं पहले जैसी नहीं दिख रही थी। मैं अब भी पहले जैसी नहीं हूं।

वजन कम करने में लगी हैं परिणीति

परिणीति ने पिछले दिनों सोशल मीडिया पर ये भी बताया था कि अब वो अपना बढ़ा वजन कम करने में लगी हुई हैं। पिछले साल उनका रूटीन केवल जंक फूड खाकर अपना

वजन बढ़ाने का था लेकिन अब फिल्म रिलीज हो चुकी है तो कहानी बिलकुल उलटी है। अब वो जिम में लगातार वर्कआउट कर रही हैं ताकि जैसी थीं वैसी दोबारा लग सकें।परिणीति ने कहा था, ये बेहद कठिन है लेकिन अमरजोत के रोल और इम्तियाज सर के लिए मैंने जो किया, उसमें मजा आया।

संक्षिप्त समाचार

इश्क में नाकाम आशिक जान दे तो महिला को नहीं मान सकते दोषी, दिल्ली हाईकोर्ट ने कही बड़ी बात

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रेम संबंधों को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। एक मामले की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने कहा है कि अगर प्रेम असफल होने पर युवक आत्महत्या करता है, तो महिला को इसका दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। मृतक ने सुसाइड नोट भी छोड़ा था, जिसमे महिला के साथ-साथ एक अन्य व्यक्ति को भी जिम्मेदार बताया गया था। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, हाईकोर्ट में सुनवाई कर रहे जस्टिस अमित महाजन ने कहा कि अगर कोई कमजोर मानसिकता वाला व्यक्ति ऐसा कदम उठाता है, तो उसके लिए किसी अन्य व्यक्ति को दोषी नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा, अगर एक प्रेमी प्यार के असफल होने पर आत्महत्या करता है, एक छात्र परीक्षा में खराब प्रदर्शन के लिए आत्महत्या करता है, केस खारिज होने के बाद अगर कोई क्लाइंट सुसाइड करता है, तो महिला, पर्यवेक्षक, वकील को आत्महत्या के लिए उकसाने का जिम्मेदार नहीं मान सकते। उन्होंने कहा, कमजोर मानसिकता वाले व्यक्ति की तरफ से लिए गए फैसले के लिए दूसरे व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने का जिम्मेदार नहीं बता सकते। अदालत ने महिला और एक अन्य पुरुष को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में अग्रमि जमानत दे दी है। मृतक के पिता की तरफ से की गई शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी। आवेदक महिला सुसाइड करने वाले शख्स के साथ प्रेम संबंध में थी। जबकि, दूसरा आवेदक उनका कॉमन फ्रैंड था। आरोप थे कि आवेदकों ने मृतक को यह कहकर उकसाया था कि उन्होंने शारीरिक संबंध बनाए हैं और जल्दी एक-दूसरे से शादी करने वाले हैं। कोर्ट ने कहा वाटसएप चैट्स से प्रथम द्रष्टया पता चलता है कि मृतक संवेदनशील स्वभाव का था। आगे कहा कि जब भी महिला बात करने से मना करती थी, तब वह उसे आत्महत्या की धमकी देकर डराता था। कोर्ट ने यह भी कहा कि कथित सुसाइड नोट के तथ्य को ट्रायल के दौरान देखा जाएगा। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि आवेदकों की तरफ से कोई उकसावा किया गया था या नहीं।

दिल्ली के हैदरपुर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास मुनक नहर में तीन बच्चे डूबे

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली रोहिणी में हैदरपुर जल उपचार संयंत्र के पास मुनक नहर में तीन बच्चे डूब गए। यह हादसा बुधवार को हैदरपुर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास तब हुआ जब मुनक नहर में तीनों बच्चे नहा रहे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोपहर 3.20 बजे तीन बच्चों के डूबने के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। स्थानीय पुलिस, अग्निशमन विभाग और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की टीमें मौके पर पहुंचीं। इसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। दिल्ली पुलिस की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, स्थानीय पुलिस की टीम, फायर ब्रिगेड और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की टीमें मौके पर पहुंचीं और बच्चों को बाहर निकाला। तीनों बच्चों को आनन फानन में अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि बच्चों को रोहिणी के बीएसए अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। नाबालिग भलस्वा डेयरी के रहने वाले थे। वहीं विकासपुरी थाना पुलिस ने महिला से लूटपाट करने वाले एक आरोपी को मंगलवार को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान नांगलोई चंचल पार्क निवासी सोनू के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि जांच में पता चला कि आरोपी पर करीब 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी से विकासपुरी, बिंदापुर, नांगलोई और निहाल विहार इलाके में हुई वारदात का खुलासा हुआ है। इनमें से 11 मामले विकासपुरी इलाके के हैं। तलाशी में उसके पास से छह मोबाइल और तीन दोपहिया वाहन बरामद किए गए। जांच में तीन फोन चोरी और तीन लूटे हुए पाए गए। आरोपी दो महीने पहले फरवरी में जेल से जमानत पर बाहर आया था। पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में बुधवार रात एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। अशोक को उसके आवास के पास जख्मी हालत में पाया गया था। उन्हें आनन-फानन में लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारियों की मानें तो अशोक पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

आप ने दिल्ली मेयर चुनाव के लिए प्रत्याशी का किया ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव के लिए मतदान 26 अप्रैल को होंगे। इसे लेकर बुधवार को एक आधिकारिक नोटिस जारी की गई। गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने मेयर और डिप्टी मेयर के प्रत्याशियों का ऐलान किया। आप ने महेश खींची को मेयर पद के लिए उम्मीदवार बनाया है। वहीं रविंदर भारद्वाज डिप्टी मेयर के लिए आप के उम्मीदवार होंगे। दिल्ली सरकार में मंत्री और आप नेता गोपाल राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी है।

किसे मिला मौका?

गोपाल राय ने कहा, हर साल मेयर का चुनाव होता है। इस बार आप की तरफ से महेश खींची उम्मीदवार होंगे। वह करोल बाग विधानसभा में देव नगर वार्ड- 84 से पार्षद हैं। यह काफी लंबे समय से पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। जमीनी स्तर से इन्होंने आप के लिए काम किया है। सबसे पहले महेश खींची आप में बूथ अध्यक्ष बने थे। फिर वार्ड अध्यक्ष बने। इन्होंने दिल्ली के अलावा आप के लिए कई राज्यों में चुनाव कैंपेन किया है। इसे देखते हुए पार्टी ने इन्हें देव नगर वार्ड से उम्मीदवार बनाया था। यहां से जीतकर यह पार्षद बने। उनके काम को देखते हुए पार्टी ने उन्हें इस सत्र के लिए मेयर उम्मीदवार बनाया है।

कब होगी वोटिंग?

दिल्ली नगर निगम के नगर सचिव के कार्यालय ने एक नोटिस जारी कर बताया कि दिल्ली नगर निगम की बैठक 26 अप्रैल, 2024 को सुबह 11 बजे अरुणा आसफ अली सभागार ए-ब्लॉक, चौथी मंजिल, एसपी मुखर्जी सिविक सेंटर, जवाहर लाल नेहरू मार्ग न्यू में होगी। इसी बैठक में मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव भी होगा।

आज नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख

मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 18 अप्रैल है। एमसीडी अधिकारियों ने कहा कि इस साल मेयर का पद अनुसूचित जाति के पार्षदों के लिए आरक्षित है। बता दें कि पूर्वी पटेल नगर से आप पार्षद शैली ओबेरॉय पिछले साल फरवरी और अप्रैल में हुए पिछले दो चुनावों में मेयर चुनी गई थीं। गौरतलब है कि मेयर चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में 250 पार्षद, दिल्ली के सात लोकसभा सदस्य, तीन राज्यसभा सांसद, दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष द्वारा नामित 14 विधायक शामिल हैं। जबकि दस एल्डरमैन के पास सदन की कार्यवाही में मतदान करने की शक्ति नहीं है। आप को 134 पार्षदों और एक निर्दलीय पार्षद, तीन राज्यसभा सदस्यों और 13 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। विपक्षी भाजपा ने 104 पार्षदों और एक निर्दलीय पार्षद, सात लोकसभा सदस्यों और एक विधायक के समर्थन का दावा किया है। कांग्रेस के नौ पार्षद हैं और एक पार्षद निर्दलीय है। इन चुनावों में क्रॉस वोटिंग की अनुमति है और दल-बदल विरोधी कानून लागू नहीं होते हैं।

पिछले साल कौन बना था मेयर?

पिछले साल आप ने शैली ओबेरॉय और आले मुहम्मद इकबाल को मेयर और डिप्टी मेयर के लिए उम्मीदवार बनाया था। भाजपा उम्मीदवारों द्वारा नामांकन वापस लेने के बाद आप प्रत्याशी मेयर और डिप्टी मेयर चुने गए। बता दें कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद दिल्ली को नया मेयर मिलता है। इस बार का चुनाव 26 अप्रैल को होने जा रहा है।

बिस्तर पर पड़ी थी मां और मामा की लाश, सामने बैठा था दो साल का मासूम; दिल्ली में डबल मर्डर से सनसनी

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में बुधवार को दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां पति ने पारिवारिक विवाद में पत्नी और नाबालिग साले की पेचकस से गोदकर हत्या कर दी। इनकी पहचान शकरपुर स्थित गली संख्या तीन निवासी 30 वर्षीय कमलेश होलकर और 17 वर्षीय रुद्र प्रताप सिंह के रूप में हुई। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया, लेकिन कुछ देर बाद आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार, शकरपुर थाने में बुधवार सुबह करीब 10-11 बजे झगड़े की पीसीआर कॉल मिली थी।

कॉलर रामबीर सिंह ने बताया कि कुछ लोग घायल हैं। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और देखा कि कमलेश और उनके भाई की मौत हो चुकी है। महिला का पति श्रेयांश फरार था। कुछ समय बाद आरोपी पति ने आत्मसमर्पण कर जुर्म कुबूल कर लिया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने क्राइम और एफएसएल की टीमों को भी मौके पर बुलाया। सभी ने साक्ष्य एकत्र कर लिए हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती जांच में हत्या की वजह पति-पत्नी के बीच पारिवारिक झगड़े सामने आए हैं। दोनों एक-दूसरे के साथ सहज नहीं थे और छोटी-छोटी बातों पर अक्सर झगड़ते रहते थे। मृतकों के शरीर पर पेचकस के अलावा अन्य चोटें भी पाई गई हैं। फिलहाल, पुलिस आरोपी पति, परिजनों, पड़ोसियों से पूछताछ कर रही है। इमारत के भूतल पर ददिया सास-ससुर, प्रथम तल पर सास-ससुर और दूसरे तल पर श्रेयांश और कमलेश का परिवार रहता था। महिला यूपी के साहिबाबाद स्थित एक विद्यालय में शिक्षिका थी।

गलती से भी मोदी की सरकार बनी तो.., आप सांसद संजय सिंह ने भाजपा को घेरा

नईदिल्ली, एजेंसी।
देश में लोकसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ी हुई है। इस बीच आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने देश के संविधान और आरक्षण को लेकर सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर हमला बोला है। संजय सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आशंका जताते हुए कहा कि अगर इस बार नरेंद्र मोदी की सरकार बन गई तो वो देश के संविधान को बदल देंगे और आरक्षण को खत्म कर देंगे। आप सांसद संजय सिंह ने कहा, जब पूरे देश में लोगों के मन में इस बात की आशंका उत्पन्न हो रही है। तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के मन में यह बात लगातार दृढ़ हो रही है कि 2024 का चुनाव अंतिम चुनाव और इसके बाद गलती से अगर मोदी की सरकार आ गई तो देश का संविधान बदल देंगे।

वो चुनाव खत्म कर देंगे, आरक्षण खत्म कर देंगे, किसान और महिलाओं के अधिकार छीन लेंगे। यह धारणा काफी मजबूत हो रही है और इसके कई उदाहरण हैं कि आखिर क्यों यह धारणा सभी के मन में मजबूत हो रही है। देश के गृहमंत्री ने एक बयान में कहा था कि 50 साल तक बीजेपी राज करेगी। आखिर क्या योजना है उनके मन में? कहां से आई यह बात? चुनाव कौन जीतेगा या हारेगा यह तो जनता तय करती है। संजय सिंह ने आगे कहा, इनके आरएसएस के एक बड़े प्रमुख नेता हैं मोहन वैद्य। साल 2017 में उन्होंने कहा था कि देश में आरक्षण खत्म होना चाहिए। देश के लिए लोगों के लिए संविधान वो है जो बाबा साहब भीम राव अंबेडकर ने लिखा था। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के लिए संविधान है जो आरएसएस के प्रमुख ने लिखा। उनको देश के संविधान में आस्था नहीं है। क्योंकि वो देश के संविधान को बदलना चाहते हैं। वो आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत के संविधान को मानते हैं। नागपुर का संविधान भाजपा पर लागू होता है देश का संविधान उनपर लागू नहीं होता है। संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक रैली में दिए गए उस बयान पर भी पलटवार किया जिसमें पीएम ने कहा था कि मैं तो क्या स्वयं बाबा साहब भी देश के संविधान को नहीं बदलेंगे। संजय सिंह ने कहा, बाबा साहब संविधान को क्यों बदलेंगे...इसका मतलब है कि बदलाव की मंशा आपके, आरएसएस और संघ के मन में है। इसलिए देश के गृहमंत्री खुलेआम कह रहे हैं कि 50 साल तक देश पर राज करेंगे। जब चुनाव खत्म हो जाएगा, आरक्षण खत्म हो जाएगा रशिया के पुतिन और किम जोंग का राज हो जाएगा तो क्या जरूरत है चुनाव कराने की। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के बड़े-बड़े नेता और उनके लोकसभा उम्मीदवार जनता से कह रहे हैं कि हमें एक-तिहाई बहुमत दे दो। हमें संविधान बदलना है। देश की 140 करोड़ जनता को अब सावधान हो जाना चाहिए।

सहेली को पीजी बुलाया, देर तक बातें कीं फिर दूसरी मंजिल से कूदी; मुखर्जी नगर में छात्रा सुसाइड की क्या वजह

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में बुधवार तड़के एक छात्रा ने पीजी की इमारत की दूसरी मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन जांच में मौत की वजह पढ़ाई का दबाव और दोस्त से झगड़ा बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, 29 वर्षीय स्वाति बीते आठ-नौ साल से मुखर्जी नगर इलाके में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी।

स्वाति के पिता नागेंद्र परिवार सहित मेरठ के बढ़ला गांव में रहते हैं। वह खेती करके आजीविका चलाते हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्वाति ने मंगलवार रात को अपनी सहेली प्रियम को अपने पीजी में बुलाया। फिर दोनों काफी देर तक बातें करती रहीं। इसके बाद अचानक स्वाति ने सहेली के सामने दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। प्रियम ने आनन-फानन में पुलिस को घटना की सूचना दी। घायल स्वाति को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्वाति यूट्यूब चैनल भी चलाती थी। वह विभिन्न विषयों पर रील बनाकर यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर अपलोड करती थी। उधर, इस हादसे के बाद पीजी में रहने वाली छात्राएं सदमे में हैं। उनका कहना था कि स्वाति को देखकर कभी ऐसा नहीं लगा कि वह आत्महत्या कर सकती है। उसका व्यहवार सभी के साथ बहुत ही अच्छा था। वहीं, पुलिस पीजी संचालकों और छात्रा के बाकी सहपाठियों से भी पूछताछ करेगी। पुलिस ने शव बाबू जगजीवन राम अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सहेली प्रियम का बयान दर्ज कर लिया गया है।

रोज एक अस्पताल और मोहल्ला क्लिनिक का दौरा करें चीफ सेक्रेटरी, स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज का आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को रोजाना एक सरकारी अस्पताल और मोहल्ला क्लिनिक का दौरा करने, मरीजों और उनके तीमारदारों से बातचीत करके दवाओं और खाने वाली चीजों की कमी पर फर्स्टहैंड (प्रत्यक्ष) प्रतिक्रिया प्राप्त करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने बुधवार को मुख्य सचिव को यह निर्देश देते हुए रोजाना रिपोर्ट देने के लिए कहा है। एक बयान में, भारद्वाज ने कुमार के हालिया स्पष्टीकरण - कि विभागों की सभी रूटीन फाइलें उनके जरिए नहीं भेजी जाती हैं, जिसके कारण वह दवाओं और खाने वाली चीजों की उपलब्धता की निगरानी नहीं कर सकते - को इस मामले पर एक बहाना बताया। मंत्री ने कहा कि ग्राउंड रिपोर्ट स्पष्ट रूप से बताती हैं कि मुफ्त दवाओं की बेहद कमी है, जबकि मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव ने कहा है कि हर मरीज को सभी आवश्यक दवाएं या उनके उपयुक्त विकल्प मिल रहे हैं। 8 अप्रैल की एक बैठक का जिक्र करते हुए, भारद्वाज ने एक फाइल नोट में कहा कि मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सचिव और महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाओं ने उन्हें बताया था कि सभी दवाएं उपलब्ध हैं, और यदि कुछ नहीं है, तो उनके विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विभिन्न नियमों का सहारा लेने की बजाय वे व्यक्तिगत रूप से रोजाना दिल्ली सरकार के एक अस्पताल और एक मोहल्ला क्लिनिक का ओपीडी (बाहरी रोगी विभाग) के समय- सुबह 8.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे के दौरान दौरा करें।

यूएनएससी में भारत को मिलेगी स्थायी सदस्यता?

वाशिंगटन, , एजेंसी।
अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने बुधवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) सहित संयुक्त राष्ट्र संस्थानों में सुधार के लिए समर्थन की पेशकश की है।

यूएनएससी में भारत की स्थायी सीट की कमी के बारे में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के बयान के बारे में पूछे जाने पर वेदांत पटेल ने कहा, राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपनी टिप्पणी में पहले भी इस बारे में बात की है और सचिव ने भी इस ओर इशारा किया है। हम निश्चित रूप से सुरक्षा परिषद सहित संयुक्त राष्ट्र संस्था में सुधारों का समर्थन करते हैं, ताकि इसे 21वीं सदी की दुनिया, जिसमें हम रह रहे हैं, को प्रतिबिंबित किया जा सके। वे कदम क्या हैं, इसके बारे में बताने के लिए मेरे पास कोई विशेष जानकारी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से, हम इसे स्वीकार करते हैं। सुधार की आवश्यकता है। जनवरी में एलन मस्क ने भारत को यूएनएससी में स्थायी सीट न मिलने को बेतुका बताया था। उन्होंने कहा कि जिन देशों के पास जरूरत से ज्यादा ताकत है, वे उसे छोड़ना नहीं चाहते। एक्स पर एक पोस्ट में मस्क ने कहा, कुछ बिंदु पर, संयुक्त राष्ट्र निकायों में संशोधन की आवश्यकता है। समस्या यह है कि जिनके पास अधिक शक्ति है वे इसे छोड़ना नहीं चाहते। पृथ्वी पर सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बावजूद भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट न मिलना बेतुका है। अफ्रीका को सामूहिक रूप से आईएमओ की एक स्थायी सीट भी मिलनी चाहिए। भारत लंबे समय से विकासशील दुनिया के हितों का बेहतर प्रतिनिधित्व करने के लिए सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट की मांग कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समर्थन से देश की खोज को गति मिली है।

ब्राजील में शव को व्हीलचेयर पर लेकर बैंक पहुंची महिला

2.71 लाख का लोन साइन करवाना चाहती थी, पुलिस ने गिरफ्तार किया

रियो डी जनेरियो , एजेंसी।
ब्राजील में एक महिला 68 साल के एक व्यक्ति का शव लेकर बैंक पहुंच गई। वो इस शव के जरिए 2.71 लाख का लोन लेना चाहती थी। एरिका डिसूजा न्यूनस नाम की महिला उस शव को अंकल कह रही थी। पुलिस ने एरिका को गिरफ्तार कर लिया है। घटना ब्राजील की राजधानी रियो डी जनेरियो की है।

दरअसल, मंगलवार (16 अप्रैल) को एरिका व्हीलचेयर पर एक बुजुर्ग को लेकर बैंक पहुंची। बुजुर्ग की हालत ठीक नहीं दिख रही थी, और उनका सिर लगातार कुर्सी पर पीछे की तरफ झुक जा रहा था। महिला बार-बार हाथ से सिर सीधा करने की कोशिश कर रही थी। इसके बाद एरिका ने बुजुर्ग के हाथ में पेन पकड़ाने की कोशिश की। वो बार-बार उनसे

पेपर पर साइन करने के लिए कह रही थी। सिक्योरिटी कैमरा में रिकॉर्ड हुए वीडियो के मुताबिक, एरिका कहती है, अंकल आप सुन रहे हैं। आपको पेपर पर साइन करने की जरूरत है। नहीं तो हमें लोन नहीं मिल पाएगा। मैं आपकी जगह साइन नहीं कर सकती। इस पर एरिका उन्हें बताती है कि उसके अंकल ऐसे ही रहते हैं। वो कुछ बोलते नहीं हैं। एरिका बुजुर्ग की तरफ देखकर कहती है, अगर आपकी तबियत ठीक नहीं है, तो आपको वापस अस्पताल जाना होगा। महिला की तमाम कोशिशों के बावजूद बैंक कर्मियों का शक दूर नहीं होता है। इसके बाद वे पुलिस को सूचना देते हैं। मामले की जांच के बाद बुधवार को पुलिस ने बुजुर्ग को मृत घोषित कर एरिका को गिरफ्तार कर लिया। शव को मुर्दाघर भेजा गया है। पुलिस चीफ फैबियो लुइज-सूजा ने ब्रिटिश अखबार द गार्जियन को बताया कि फोरेंसिक की रिपोर्ट के मुताबिक, बुजुर्ग की कई घंटों पहले ही मौत हो चुकी थी। एरिका यह बात पहले से जानती थी। पुलिस के मुताबिक, एरिका शव को लेकर बैंक पहुंची, ताकि वहां अधिकारी बुजुर्ग की खराब हालत देकर जल्दी लोन अप्रूव कर दें। हालांकि, एरिका के वकील ने दावा किया है कि बुजुर्ग की मौत बैंक में ही हुई। एरिका को इसकी कोई खबर नहीं थी। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या सच में एरिका बुजुर्ग की भतीजी है या नहीं। इसके अलावा उनके परिवार के दूसरे लोगों से भी संपर्क करने की कोशिश की जा रही है।

अगर मेरी पत्नी को कुछ हुआ तो छोड़ूंगा नहीं', जेल में बंद इमरान खान ने सेना प्रमुख असीम मुनीर को दी धमकी

इस्लामाबाद , एजेंसी।
भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को पाकिस्तान की सेना पर गंभार आरोप लगाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर उनकी पत्नी बुशरा बीबी की कैद के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं।

इमरान की बेगम बुशरा (49) भ्रष्टाचार और 71 वर्षीय खान के साथ अवैध विवाह के मामले में भी दोषी ठहराया गया था। उन्हें फिलहाल इस्लामाबाद के बनी गाला स्थित उनके आवास पर डिटेंशन में रखा गया है।

इमरान खान ने सेना प्रमुख पर लगाए आरोप: खान के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर अपलोड की गई एक लंबी पोस्ट के अनुसार, पीटीआई नेता ने अदियाला जेल में पत्रकारों से बातचीत में सेना प्रमुख पर आरोप लगाए।

खान ने कहा, मेरी पत्नी को दी गई सजा में जनरल असीम मुनीर सीधे तौर पर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें दोषी ठहराने वाले न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें यह फैसला लेने के लिए मजबूर किया गया था।

खान ने दी असीम मुनीर को धमकी: खान ने धमकी देते हुए कहा, अगर मेरी पत्नी को कुछ हुआ तो मैं असीम मुनीर को नहीं छोड़ूंगा, जब तक मैं जिंदा हूं मैं असीम मुनीर को नहीं छोड़ूंगा। मैं उनके असंवैधानिक और गैरकानूनी कदमों का पर्दाफाश करूंगा।

खान ने कहा कि देश में जंगल का कानून है और सब कुछ जंगल के राजा द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, जंगल का राजा चाहे तो नवाज शरीफ के सारे मुकदमे माफ कर देता है और जब चाहे तो हमें पांच दिन में तीन मुकदमों में सजा दे देता है।

खान ने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कर्ज से नहीं बल्कि निवेश से स्थिर होगी।

उन्होंने कहा, जंगल के कानून से देश में निवेश नहीं होगा। यह अच्छी बात है कि सऊदी अरब आ रहा है लेकिन निवेश तब आएगा जब देश में कानून का शासन होगा।

ऐसा सलूक गुलामों के साथ होता है- खान: उन्होंने हाल ही में पंजाब के बहावलनगर इलाके में पुलिस और सेना के बीच कथित झड़प का भी जिक्र किया और कहा कि कानून का उल्लंघन कर पुलिस को पीटा गया, लेकिन आईजी (पुलिस महानिरीक्षक) और वायसराय, जिन्होंने हमारे लोगों पर अत्याचार किया, उनसे माफी मांगें जिन्होंने पुलिस के साथ मारपीट की थी। खान ने कहा कि वायसराय ने घटना के बाद कहा कि वे (पुलिस) हमारे भाई हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा सलूक गुलामों के साथ किया जाता है, भाइयों के साथ नहीं क्योंकि जिनके पास ताकत थी, उन्होंने पुलिस को पीटा और माफी मांगने के लिए भी मजबूर किया। उन्होंने यह भी कहा कि पीटीआई को उपचुनाव लड़ने से रोका जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, इस वक्त जुल्म के सामने खड़ा होना जिहाद है। हमारे कार्यकर्ताओं को एक-एक वोट की रक्षा करनी है। अभी तक सेना ने खान द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।